राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार, 17 अप्रैल 2022 वर्ष–4,अंक–81 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हनुमान जी अपनी भक्ति और सेवाभाव से सबको जोड़ते : पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकट मोचक हनुमान जी के जन्मोत्सव के अवसर पर शनिवार को गुजरात के मोरबी में शनिवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए हनुमान जी की 108 फीट ऊंची प्रतिमा का किया। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार हनुमानजी चार धाम परियोजना के तहत देश के चारों दिशाओं में बनाई जा रही भगवान की प्रतिमाओं में से यह दूसरे नंबर की है। मोरबी में बापू केशवानंद जी के आश्रम में यह प्रतिमा स्थापित की गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हनुमान जी अपनी भक्ति और सेवाभाव से सबको जोड़ते इसी से सभी लोग प्रेरणा ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि 'हजारों वर्षों से बदलती स्थितियों के बावजूद भारत के अटल और अडिग रहने में हमारी सभ्यता और संस्कृति की बड़ी भूमिका रही है। हमारी आस्था और संस्कृति की धारा सद्भाव, समावेश, समभाव की है। इसलिए जब बुराई पर अच्छाई को स्थापित करने की बात आई तो प्रभु राम ने सक्षम होते हुए भी, सबका साथ लेने का, सबको जोड़ने का, समाज के हर तबके के लोगों को जोड़कर इस काम को संपन्न किया। यही तो है सबका साथ-सबका प्रयास। प्रधानमंत्री में देश में एकता पर जोर देते हुए कहा कि रामकथा का आयोजन भी देश के अलग-अलग हिस्सों में किया जाता है। भाषा-बोली जो भी हो, लेकिन रामकथा की भावना सभी को जोड़ती है, प्रभु भक्ति के साथ एकाकार करती है। यही तो भारतीय आस्था की, हमारे आध्यात्म की, हमारी संस्कृति, हमारी परंपरा की ताकत है।' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, 'सबका साथ, सबका प्रयास का उत्तम प्रमाण प्रभु राम की जीवन लीला भी है। जिसके हनुमानजी बहुत अहम सूत्र रहे हैं। सबका प्रयास की इसी भावना से आजादी के अमृत काल को हमें उज्जवल करना है, राष्ट्रीय संकल्पों की सिद्धि के लिए जुटना है।' प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान श्री राम और भगवान हनुमान को देश के विकास कार्य और देश की सेवा के लिए प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा, 'हजारों वर्षों से बदलती स्थितियों के बावजूद भारत के अटल और अडिग रहने में हमारी सभ्यता और संस्कृति की बड़ी भूमिका रही है। हमारी आस्था और संस्कृति की धारा सद्भाव, समावेश, समभाव की है।'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, 'हनुमान वो शक्ति हैं जिन्होंने समस्त वनवासी प्रजातियों और वन बंधुओं को मान और सम्मान का अधिकार दिलाया।' प्रधानमंत्री मोदी ने हनुमान जन्मोत्सव की सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कहा, 'हनुमान जी अपनी भक्ति से, अपने सेवाभाव से, सबको जोड़ते हैं। हर कोई हनुमान जी से प्रेरणा पाता है। हनुमान वो शक्ति और सम्बल हैं जिन्होंने समस्त वनवासी प्रजातियों और वन बंधुओं को मान और सम्मान का अधिकार दिलाया। इसलिए एक भारत, श्रेष्ठ भारत के भी हनुमान जी एक अहम सूत्र हैं।'

प्रधानमंत्री ने संबोधन की शुरुआत में कहा, 'आज मोरबी में हनुमान जी की इस भव्य प्रतिमा का लोकार्पण हुआ है। ये देश और दुनिया भर के हनुमान भक्तों के लिए, रामभक्तों के लिए बहुत सुखदायी है, आप सभी को बहुत-बहुत बधाई।' इस परियोजना के तहत पहली प्रतिमा साल 2010 में देश के उत्तर दिशा में हिमाचल प्रदेश के शिमला में स्थापित की गई थी। वहीं देश के दक्षिण में रामेश्वरम में भगवान हनुमान की तीसरी प्रतिमा का भी काम जारी है।

पहला कॉलम

देश में अब तक 1,09,080 लोगों को दी जा चुकी है वैक्सीन की बूस्टर खुराक

नई दिल्ली । भारत में शुक्रवार को 18 से 59 आयु वर्ग के लोगों को कोविड टीके की 22,532 एहतियाती खुराक लगाई गई, इसके साथ ही अब तक कुल 1,09,080 बूस्टर खुराक दी जा चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। मंत्रालय ने कहा कि शुक्रवार शाम सात बजे तक कोविड टीके की कुल 5.79 लाख खुराक दी गई और अब तक देश में कुल 186.36 करोड़ खुराक लगाई जा चुकी है। भारत में रविवार से निजी टीकाकरण केंद्रों पर 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को कोरोना-रोधी टीके की तीसरी खुराक देने की शुरुआत की गई। अठारह साल से अधिक उम्र के उन लोगों को एहतियाती खुराक दी जाएगी, जिन्हें दूसरी खुराक लिए हुए 9 महीने का समय हो गया है। देश में अब तक 12 से 14 साल की आयु के बच्चों को 2.39 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है, वहीं अब तक स्वास्थ्य कर्मियों, अग्रिम मोर्चे पर काम करने वाले कर्मियों और 60 साल तथा इससे अधिक आयु के लोगों को 2.51 करोड़ एहतियाती खुराक दी जा चुकी है। देर रात तक अंतिम रिपोर्ट के संकलन के बाद दैनिक टीकाकरण की संख्या बढ़ सकती है।

आठवले ने मायावती को दी आराम की सलाह

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी को करारा झटका लगा है। पहली बार बीएसपी महज 12 फीसदी वोट शेयर पर ही सिमट गई और सिर्फ एक सीट पर ही जीत मिल पाई है। इसी पर तंज कसते हुए दलित नेता और रिपब्लिक पार्टी ऑफ इंडिया के चीफ रामदास आठवले ने मायावती पर तंज कसा है। केंद्रीय मंत्री ने मायावती पर तंज कसते हुए कहा कि मायावती को आराम करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि बीएसपी चीफ मायावती को अब आराम करना चाहिए। आठवले ने कहा कि बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के 'मिशन' को पूरा करने की जिम्मेदारी अब आरपीआई निभाएगी। आठवले ने एक वक्तव्य जारी करते हुए कहा कि उनकी पार्टी पूरे देश में बाबा साहब के सपनों को साकार करेगी और उत्तर प्रदेश में बसपा के सबसे मजबूत विकल्प के तौर पर उभरेगी। केंद्रीय मंत्री ने हिजाब के मसले पर कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया और कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब जैसे ड्रेस का कोई महत्व नहीं है और शैक्षणिक संस्थान में स्कूल ड्रेस को ही बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इस बीच उन्होंने 'द कश्मीर फाइल्स' मूवी की भी तारीफ की। आठवले ने कहा कि इस तरह की फिल्में देश और समाज को उसके इतिहास से रूबरू कराने का काम करती हैं और वक्त मिलने पर वह भी इस फिल्म को जरूर देखेंगे।राज्यसभा सांसद रामदास आठवले की सक्रियता अब तक महाराष्ट्र में ही रही है, लेकिन अब उन्होंने यूपी की राजनीति में भी दखल देने के संकेत दिए हैं। अकसर वह खुद को बाबासाहेब आंबेडकर की राजनीति का उत्तराधिकारी बताते रहे हैं। गौरतलब है कि मायावती ने हार के लिए मुस्लिम वोटों के सपा के पाले में जाने और उसके जवाब में हिंदू वोटों के ध्रुवीकरण को जिम्मेदार ठहराया था। यही नहीं मायावती ने यह भी माना था कि उनकी अपनी बिरादरी जाटव समाज के अलावा अन्य दलितों का वोट भी इस बार बीएसपी से छिटका है।

प्रयागराज में एक परिवार के पांच लोगों की बेरहमी से हत्या

नई दिल्ली । प्रयागराज शहर से करीब 35 किमी दूर नवाबगंज में आज एक ही परिवार के पांच लोगों की बड़ी बेरहमी से हत्या कर दी गई। नवाबगंज थाना क्षेत्र के खागलपुर गांव में किराए पर रहने वाले राहुल तिवारी (42), उनकी पत्नी प्रीति (38) और 5, 7 व 12 साल की तीन बच्चियों माही, पीहू और पाहु को मौत के घाट उतार दिया गया। शनिवार सुबह एक ही कमरे में पांच शव मिलने के बाद हड़कंप मच गया। खागलपुर गांव में एसएसपी के अलावा कई थानों की फोर्स और डॉग स्क्वाड की टीम पहुंच गई है। मृतक परिवार भरवारी कौशांबी का रहने वाला है। घर के मुखिया राहुल तिवारी का शव लटका हुआ मिला है। सभी की हत्या सोते वक्त की गई है। फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट भी पहुंच कर जांच कर रहे हैं। घटना की तस्वीरें दिल दहला देने वाली है। मंजर ऐसा है कि हम आपको दिखा भी नहीं सकते।

चाचा शिवपाल के बगावती तेवरों से जूझ रही सपा में टूट तय योगी से मिले सुखराम

नई दिल्ली । सपा मुखिया अखिलेश यादव की मुश्किलें कम नहीं हो रहीं। चाचा शिवपाल के फिर बगावती तेवरों से जूझ रही सपा को एक और झटका पार्टी के राज्यसभा सांसद चौधरी सुखराम दे सकते हैं। विधानसभा चुनाव से पहले ही उनके बेटे मोहित यादव ने भाजपा का दामन थाम लिया था। अब परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से चौधरी सुखराम की मुलाकात के बाद उनके भी भाजपा में आने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस मुलाकात के बाद सुखराम ने अखिलेश को घेरते हुए कहा कि उनके पास मुझसे मिलने का वक्त ही नहीं। विधान परिषद के पूर्व सभापति चौधरी सुखराम की मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात के राजनैतिक निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। दरअसल सुखराम 2016 में राज्यसभा सदस्य बने थे और उनका कार्यकाल भी जल्द खत्म होने जा रहा है। हालांकि उन्होंने मीडिया से बातचीत में यही कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद वे मिल नहीं सके थे इसलिए योगीजी को बधाई देने गए थे।

काशी में उपराष्ट्रपति नायडू ने काल भैरव और बाबा विश्वनाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

वाराणसी (एजेंसी)।

दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर काशी पहुंचे उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू शनिवार सुबह बाबा विश्वनाथ और काशी के कोतवाल के दरबार में मत्था टेका। इस दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल साथ रहीं। मंदिरों में दर्शन-पूजन के बाद उपराष्ट्रपति पड़ाव स्थित पं. दीनदयाल स्मृति स्थल पहुंचे हैं। उनके साथ राज्यपल आनंदी बेन पटेल, प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर मिश्र दयालु भी मौजूद हैं। इससे पहले रात्रि विश्राम के बाद सुबह 9.10 बजे उपराष्ट्रपति अपने परिवार के साथ बरेका गेस्ट हाउस से काशी विश्वनाथ मंदिर के निकले। उनका काफिला तय समय से कुछ देरी से बाबा विश्वनाथ धाम पहुंचा। रेड कारपेट से होते हुए उपराष्ट्रपति बाबा के गर्भगृह में पहुंचे। काशी विश्वनाथ धाम की छटा देख अभिभूत नजर आए।

उन्होंने साथ चल रहे अधिकारियों से इसकी जानकारी ली और कहा कि यह दृश्य अकल्पनीय है। विश्वनाथ मंदिर से उपराष्ट्रपति का काफिला काशी के कोतवाल कहे जाने वाले बाबा काल भैरव मंदिर पहुंचा। यहां उन्होंने दर्शन-पूजन किया। इस दौरान महंत नवीन गिरी ने उनकी पूजा संपन्न कराई।

घाटी में 1990 जैसे हालात प्रशासन नहीं मुहैया करा रहा सुरक्षाः कश्मीरी पंडित

नई दिल्ली । कश्मीरी पंडित संगठनों का कहना है कि घाटी में 1990 के दशक जैसी स्थिति वापस आ रही है। उन्होंने कहा कि प्रशासन अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहा है। जम्मू-कश्मीर पीस फोरम और कश्मीरी पंडित संघर्ष समिति ने पंडितों को कश्मीर छोड़ने के लिए कहने वाले धमकी भरे पत्रों पर चिंता जताई। जम्मू-कश्मीर पीस फोरम के अध्यक्ष सतीश महलदार ने कहा, 'पिछले दो दिनों से एक बार फिर कश्मीरी पंडितों को विशेष रूप से लश्कर-ए-इस्लाम द्वारा धमकी भरा पत्र जारी किया गया है, जो सोशल मीडिया पर शेयर हो रहा है। हम अपने घरों में भयभीत हैं और डर के माहौल में सांस ले रहे हैं। जम्मू, श्रीनगर और दिल्ली में सभी अधिकारियों और रिश्तेदारों से हम खुद को बचाने की गुहार लगाते हैं। महलदार ने कहा कि मैं मुफ्ती, उलेमा, मौलवी और घाटी के अन्य लोगों से अपील करता हूं कि वे आगे आएं और बहुलवादी समाज को बचाएं। हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि बहुलवाद हमारी विरासत है। उन्होंने कुलगाम जिले के एक स्थानीय राजपूत सतीश सिंह की हालिया हत्या का भी जिक्र किया, जिसकी अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उन्होंने कहा कि हत्या से कश्मीर में रहने वाले पूरे अल्पसंख्यक समुदाय में खलबली मच गई। 5 अगस्त 2019 के बाद, जब जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त कर दिया गया, कश्मीर में गैर-स्थानीय मजदूरों, ड्राइवरों और अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों की रुक-रुक कर हत्याएं देखी गई हैं। हाल के हफ्तों में हमलों के ताजा दौर में दक्षिण कश्मीर के कई हिस्सों में कम से कम सात गैर-स्थानीय मजदूरों को गोली मार दी गई और उन्हें घायल कर दिया गया। हाल ही में बॉलीवुड फिल्म कश्मीर फाइल्स ने कश्मीरी पंडितों के प्रवास के मुद्दे पर विवादास्पद बहस छेड़ दी है और यह समुदायों व विचारों का ध्रुवीकरण किया है

सेना ने वीडियो साझा कर कश्मीरियों को किया आश्वस्त, आतंक के खिलाफ लड़ाई में हमेशा साथ हैं सेना

श्रीनगर ।

जम्मू-कश्मीर में लगातार आतंकी घटनाओं में इजाफा चिंता का कारण है इस सबके बीच सेना ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें यह दिखाया गया है कि कैसे समाज के हर वर्ग ने आतंकवाद के घावों को झेला है। सेना नागरिकों को आश्वस्त कर रही है कि घाटी में स्थिरता के लिए उनकी लड़ाई में वह उनके साथ है। भारतीय सेना के चिनार कोर ने 'कश्मीर फाइट्स बैक' टाइटल से वीडियो अपलोड किया है। इसमें नागरिकों की पीड़ाओं को दिखाने का प्रयास है। यह बताया गया है कि लोगों की आस्था कुछ भी हो... सुरक्षा बल आतंकवाद को समाप्त करने और सामान्य स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। वीडियो के साथ लिखा गया है कि 'दशकों के आतंकवाद ने हमें अनाथों, विधवाओं, रोती हुई माताओं और असहाय पिताओं के साथ छोड़ दिया है।' वीडियो में कश्मीरी पंडितों के पलायन, बचाव अभियान और पथराव की घटनाओं के दृश्य दिखाए गए हैं। इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि कैसे आतंकवादियों ने दशकों से घाटी के युवाओं को गुमराह किया है और विभिन्न समुदायों के बीच दुश्मनी को भड़काया है। यह सांप्रदायिक सद्भाव के महत्व को रेखांकित करता है।

'युवाओं को गुमराह करने की कोशिश हुई'–

इसमें कहा गया है कि उन्होंने हमारे समाज को विभाजित करने की कोशिश की। हमारे युवाओं को गुमराह करने की कोशिश की। उन्होंने हमारे साथियों (संतों की भूमि) को युद्ध के मैदान में बदलने की कोशिश की। वीडियो में पत्रकार शुजात बुखारी, सामाजिक कार्यकर्ता अर्जुमंद मजीद, माखन लाल बिंदरू, सरपंच अजय पंडिता, सुपिन्दर कौर, वसीम बारी, लेफ्टिनेंट उमर फयाज, अयूब पंडिता और परवेज अहमद डार सहित आतंकवादियों द्वारा मारे गए कश्मीरियों को भी श्रद्धांजलि दी गई है।

आतंकवाद-कट्टरता से एक साथ लड़ने का संदेश–

वीडियो में सुरक्षा कर्मियों को नागरिकों और बच्चों को दिलासा देते हुए दिखाया गया है। यह आतंकवाद व कट्टरता से एक साथ लड़ने के संदेश के साथ समाप्त होता है। इसमें कहा गया है कि कश्मीर इस लड़ाई में अकेला नहीं है। अतीत में आपके साथ थे। भविष्य में आपके साथ रहेंगे। हम साथ मिलकर इस लड़ाई को जीतेंगे। आवाम और जवान हाथ में हाथ डाले हुए हैं।

मुंबई में एक ही ट्रैक पर आ गई दो यात्री ट्रेनें, बेपटरी हुई 3 बोगियां, कोई हताहत नहीं

मुंबई । महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में शुक्रवार देर रात दादर और माटुंगा के बीच एक क्रॉसिंग पर लंबी दूरी की दो यात्री ट्रेनें एक ही ट्रैक पर आ गईं और एक दूसरे से टकरा गईं। मध्य रेलवे (सीआर) के मुख्य प्रवक्ता शिवाजी सुतार ने कहा कि घटना में पुडुचेरी एक्सप्रेस और गंडग एक्सप्रेस शामिल है, जो एक ही रेलवे लाइन पर आ गई और एक ट्रेन के कम से कम तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। दोनों ट्रेनों में घबराए यात्रियों ने दावा किया कि उन्होंने बिजली के ओवरहेड तारों पर चिंगारी के साथ कुछ तेज आवाज सुनी। दुर्घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है और सीआर द्वारा अभी तक कोई विस्तृत बयान जारी नहीं किया गया है। जैसे ही पांचवीं लाइन पर यातायात प्रभावित हुआ, दोनों ट्रेनों के अधिकांश यात्री उतर गए, स्टेशनों पर चले गए और घर चले गए।

1.43 करोड़ मजदूरों की बेटियों को योगी सरकार की सौगात

नई दिल्ली । भाजपा जल्द लोक कल्याण संकल्प पत्र में श्रमिकों से किया वादा निभाने की तैयारी में है। श्रमिकों की बेटियों की शादी में अब सरकार एक लाख रुपये का शगुन देगी। सामूहिक विवाह में होने वाली शादियों में यह राशि इससे अधिक होगी। इस योजना का लाभ श्रम विभाग के तहत संचालित भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार बोर्ड में पंजीकृत 1.43 करोड़ श्रमिकों के परिवारों को मिलेगा। श्रम विभाग ने इसे 100 दिन की कार्ययोजना में शामिल किया है। श्रम विभाग कन्या विवाह सहायता योजना के तहत अभी तक बोर्ड में पंजीकृत श्रमिकों की बेटियों को दो तरह से अनुदान देता रहा है। एकल विवाह की स्थिति में 55 हजार रुपये का अनुदान मिलता है। जबकि सामूहिक विवाह में शादी होने पर यह राशि 65 हजार रुपये है। सामूहिक विवाह को बढ़ावा देने के लिए 10 हजार रुपये दूल्हा-दुल्हन की पोशाक के नाम पर और सात हजार रुपये अन्य व्यवस्थाओं के लिए भी दिए जाते हैं। इस प्रकार सामूहिक विवाह में होने वाली हर शादी पर अब तक सरकार 82 हजार रुपये खर्च करती है। योगी सरकार के चुनावी वायदे के अनुरूप अब श्रमिकों की बेटी की शादी में दिए जाने वाले इस शगुन को बढ़ाकर एक लाख रुपये किए जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसे बोर्ड के समक्ष रखा जाएगा। ऐसे में एकल विवाह की राशि 55 हजार से बढ़कर एक लाख रुपये हो जाएगी। जबकि सामूहिक विवाह में एक लाख रुपये के अलावा 10 हजार रुपये पोशाक के लिए और सात हजार अन्य व्यवस्थाओं के लिए हो सकते हैं। ऐसे में यह राशि 01 लाख 17 हजार रुपये हो जाएगी।

भारतीयों को भारतीयों के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश हो रही : सोनिया

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

सोनिया गांधी ने देश के मौजूदा तनाव भरे सामाजिक-राजनीतिक हालात पर अखबार में लेख लिखकर पीएम नरेंद्र मोदी पर सख्त टिप्पणी की है। सोनिया ने कहा है कि क्या भारत को स्थायी तौर पर ध्रुवीकरण की स्थिति में होना चाहिए? सत्ता प्रतिष्ठान स्पष्ट रूप से चाहता है कि भारत के नागरिक यह विश्वास करें कि ऐसा वातावरण उनके सर्वश्रेष्ठ हित में है। चाहे वह पहनावा हो, भोजन हो, आस्था हो, त्यौहार हो या फिर भाषा, भारतीयों को भारतीयों के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश की जाती है और कलह पैदा करने वाली ताकतों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से हर प्रोत्साहन दिया जाता है।

प्राचीन और समकालीन दोनों तरह के इतिहास की लगातार व्याख्या करने की कोशिश की जाती है, ताकि पूर्वाग्रह शत्रुता और प्रतिशोध को बढ़ावा दिया जा सके। यह एक त्रासदी है कि अपने संसाधनों का इस्तेमाल देश के लिए उज्ज्वल और नया भविष्य गढ़ने और युवा मन को सकारात्मक कामों में लगाने के लिए हमारे संसाधनों का उपयोग करने के बजाय, एक काल्पनिक अतीत के संदर्भ में वर्तमान को नया रूप देने के प्रयासों में समय और मूल्यवान संपत्ति का उपयोग किया जा रहा है। भारत की विविधताओं को स्वीकार करने के बारे में पीएम मोदी जी की ओर से बहुत चर्चा हो रही है। लेकिन कड़वी हकीकत यह है कि उन्हीं के शासन काल में जिस अपार विविधता ने सदियों से हमारे समाज को परिभाषित और समृद्ध किया है, उसका इस्तेमाल हमें बांटने में हो रहा है। अब ये स्थापित सत्य हो चुका है, कि हमें आर्थिक विकास की गति को जारी रखना होगा ताकि धन पैदा किया जा सके फिर इसी धन को फिर से बांटा जा सके, लोगों का जीवन स्तर सुधारा जा सके और सबसे बड़ी बात कि राजस्व अर्जन किया जा सके जिसकी जरूरत सामाजिक कल्याण के कार्यक्रमों के लिए है। इसके अलावा हमारे युवाओं को पर्याप्त रोजगार देने के लिए पैसा कमाया जा सके।

लेकिन सामाजिक उदारवाद का गिरता स्तर और कट्टरता का बिगड़ता माहौल, नफरत और विभाजन का फैलाव आर्थिक विकास की नींव को हिलाकर रख देता है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कुछ साहसी कॉरपोरेट एक्जीक्यूटिव कर्नाटक में हो रही घटनाओं के बारे में मुखर हो रहे हैं, जो कि उद्यमशीलता और गतिशीलता के लिए जाना जाता है। सोशल मीडिया में आवाज उठाने वाले इसतरह के साहसी लोगों के खिलाफ आशा के अनुरूप ही तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। लेकिन हमारी चिंताएं इससे बड़ी और वास्तविक हैं। यह कोई रहस्य नहीं है कि पिछले कुछ वर्षों में हमारे यहां कई बिजनेसमैन की संख्या में आश्चर्यजनक रूप से वृद्धि हुई है, जो स्वयं को अनिवासी भारतीय घोषित कर रहे हैं।

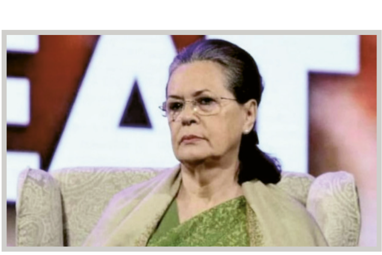

भारत को स्थायी उन्माद की स्थिति में रखने के पीछे इस नई, व्यापक विभाजनकारी योजना में कुछ और भी घातक है। सभी असहमतियों और विचारों को जो कि सत्ता के खिलाफ हैं, उन्हें निर्ममता से कुचलने की कोशिश की जाती है। राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाया जाता है और राज्य मशीनरी की पूरी शक्ति उनके विरुद्ध झोंक दी जाती है। सामाजिक कार्यकर्ताओं को धमकाया जाता है और उन्हें चुप करा दिया जाता है। सोशल मीडिया का विशेष रूप से इसतरह के तथ्यों का प्रचार करने के लिए उपयोग किया जाता है जिसे केवल झूठ और जहरीला ही बताया जा सकता है।डर, धोखा और धमकी तथाकथित 'मैक्सिमम गवर्नेंस, मिनिमम गवर्नमेंट'' रणनीति के स्तंभ बन गए हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार कष्ट ही तो वह प्रेरक शक्ति है जो मनुष्य को कसौटी पर परखती है और आगे बढ़ाती है। - वीर सावरकर

संपादकीय

न्याय पर बोझ

त्वरित न्याय ही वास्तविक न्याय होता है और त्वरित न्याय के लिए पूरे संसाधन और पर्याप्त न्यायाधीश भी होने चाहिए। अतः अपने देश के प्रधान न्यायाधीश का यह इशारा स्वाभाविक और स्वागतयोग्य है कि न्यायपालिका पर बहुत बोझ है और पर्याप्त संख्या में अदालतें होंगी, तो ही न्याय संभव है। बीते वर्ष से ही देश की सर्वोच्च अदालत में सुनवाइयों के दौरान ट्रिब्यूनल में रिक्त पदों का मुद्दा उठता रहा है। शीर्ष अदालत की नाराजगी भी सामने आती रही है। यह अपने आप में गंभीर बात है कि देश के प्रधान न्यायाधीश न्यायपालिका में कमी को लेकर एकाधिक बार अपनी राय रख चुके हैं। प्रधान न्यायाधीश ने शुक्रवार को तेलंगाना स्टेट ज्युडिशियल कॉन्फ्रेंस 2022 को संबोधित करते हुए कहा कि 'न्यायपालिका का बुनियादी ढांचा और रिक्त पदों पर भर्तियां चिंता का मुख्य विषय हैं। न्याय तक पहुंच तभी संभव है, जब हमें पर्याप्त संख्या में अदालतें मिलेंगी।' यह अपने आप में बेहद संवेदनशील विषय है कि न्यायपालिका में नियुक्तियों में देरी हो रही है। सरकार को देखना चाहिए कि बाधा कहां है? अदालतों ने पहले भी न्यायपालिका के विस्तार का पक्ष लिया है, लेकिन प्रशासन बहुत सजग नहीं दिखता। भारतीय न्यायपालिका पर जो बोझ है, वैसा दुनिया की किसी न्यायपालिका पर नहीं है। अभी भी मामलों को न्याय तक पहुंचने में तीस-चालीस साल भी लग जा रहे हैं। पुराने मुकदमों का निपटारा जल्दी नहीं हो रहा है और नए मुकदमे बढ़ते जा रहे हैं। यह बात अलग है कि कई मुकदमे प्रशासन की कमियों की वजह से हैं। खासकर गैर-फौजदारी मामलों में बहुत कमी आ सकती है, लेकिन प्रशासन का काम करने का तरीका निचले स्तर पर अपेक्षित गति से सुधर नहीं रहा। अदालतों के कागजी कामकाज का विस्तार भी लगातार हो रहा है, अतः न्याय में देरी ज्यादातर मामलों में एक सच्चाई है। न्याय में देरी से कुछ लोगों को फायदा होता है, लेकिन कुल मिलाकर शासन-प्रशासन की छवि खराब होती है। आम लोगों की नजर में न्याय या अन्याय अंततः सरकार की जिम्मेदारी है। फिर भी कोई भी राजनीतिक दल त्वरित न्याय को लेकर चिंतित नहीं दिखता। किसी के भी घोषणापत्र में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने की कोई रूपरेखा नहीं होती है। ऐसे में, हमारे न्यायाधीशों की शिकायत जायज है। क्या हमारी राजनीतिक पार्टियां लोगों को त्वरित न्याय का वादा नहीं कर सकती हैं? क्या यह लोकहित का मामला नहीं है? आज न्यायपालिका का विस्तार जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसमें समय के साथ आंतरिक सुधार। एक अनुमान के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय में साल भर में 200 दिन भी सुनवाई नहीं होती है। उच्च न्यायालयों में करीब 210 दिन और निचली अदालतों में करीब 245 दिन ही काम होता है। सर्वोच्च न्यायालय में करीब 73,000 मामले और भारत की सभी अदालतों में लगभग 4.40 करोड़ मामले लंबित हैं। मुकदमों की संख्या में हर साल बढ़ोतरी हो रही है। नीति आयोग के एक रणनीति पत्र के मुताबिक, अदालतों को तमाम दर्ज मामले सुलझाने में अभी के हिसाब से करीब 324 साल से अधिक समय लग जाएगा। हजारों मामले तीस-तीस साल से लंबित हैं। अतः न्यायपालिका के बोझ को हल्का करने और उसे त्वरित न्याय की दिशा में प्रेरित करने के भगीरथ प्रयासों की जरूरत है। त्वरित न्याय समाज में सुख-शांति और कानून के राज के लिए भी जरूरी है।

हिंदी राजभाषा बने पर स्थानीय भाषाओं से देश की मूल संस्कृत जीवंत

अंग्रेजी बनाम हिंदी -अजय सिंह शक्तावत

हिंदी के प्रचलन से यदि किसी अहिंदीभाषी को कोई नुकसान होता हो तो उसका विरोध होना चाहिए अंग्रेजी को हटाने नहीं बल्कि उसकी जगह भारतीय भाषाएं को भी तव्वजो मिलनी चाहिए , यदि हिंदीभाषी लोग अन्य भारतीय भाषाएं निष्ठापूर्वक सीखें तो इन अंग्रेजीप्रेमियों की हमे जरुरत नहीं । जितने अंग्रेजीप्रेमी दक्षिण भारत में हैं, उससे ज्यादा उत्तर भारत में हैं। ये ज्यादातर शहरी, सवर्ण और पूंजीपति हैं । यही देश का शासक-वर्ग भी है। यदि अंग्रेजी बोलचाल सरकारी महकमों से हट गई तो देश के गरीब, ग्रामीण, पिछड़े, वंचित लोगों के लिए उच्च शिक्षा, उच्च सेवा, उच्च पदों, उच्च आय और उच्च जीवन के मार्ग खुल जाएंगे। अंग्रेजों के ज़माने से बंद इन दरवाजों के खुलते ही देश में समतामूलक क्रांति का सूत्रपात अपने आप हो जाएगा। अभी हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह ने हिंदी के प्रचलन की बात कह दी, जो भारत के महापुरूष महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी और डॉ. राममनोहर लोहिया विनोबा भावे कहा करते थे। दरअसल शाह ने संसदीय राजभाषा समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के नागरिकों को परस्पर संवाद के लिए अंग्रेजी की जगह हिंदी को तरजीह देनी चाहिए। यानि भारत की सवांद -संपर्क भाषा अंग्रेजी नहीं, हिंदी होनी चाहिए। हालांकि इसमें कुछ गलत भी नहीं हैं। एक तरफ तो हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे है और दूसरी ओर हम अभी भी अंग्रेजी की गुलामी कर रहे हैं। आज अंग्रेजी न केवल भारत के लोगों की भाषा है बल्कि यह भारत की असली राजभाषा बन गई है। हिंदी तो हम एक दिन हिंदी दिवस के रूप में मना लेते हैं। राजभाषा के नाम पर हिंदी का तो हम तिरस्कार ही करते आये हैं , हिंदी दिवस पर भी अंग्रेजी में भाषण देकर हम हिंदी का बखान करते हैं। हमारी हालत तो ये है कि अब भी सरकार के सारे महत्वपूर्ण काम अंग्रेजी में होते हैं। भारत का कानून, न्याय, राजकाज, उच्च शिक्षण, शोध, चिकित्सा सब कुछ अंग्रेजी में होता है। हमारे अनपढ़ और अधपढ़ नेताओं में हिम्मत ही नहीं कि वे अंग्रेजी की इस गुलामी को चुनौती दें। आज अंग्रेजी मुख्य भाषा है और समस्त भारतीय भाषाएं उसकी कठपुतलिया बन चुकी हैं। इस स्थिति को बदलने का काम हिंदी लाओ से नहीं, अंग्रेजी हटाओ के नारे से होगा। अमित शाह भारत के पहले गृहमंत्री हैं, जिन्होंने दो-टूक शब्दों में अंग्रेजी हटाओ का नारा दिया है। अंग्रेजी हटाओ का मतलब यह नहीं है कि अंग्रेजी को देश से मिटाओ इसे हम सिर्फ वैश्विक व्यापार की भाषा ही समझे । सही मायनों मे तो यही होना चाहिए था कि इसे सिर्फ व्यापारिक भाषा ही बनाना था हमने इसे अपनी भाषा बना लिया। कोई भी विदेशी भाषा पढ़ना चाहे, उसमें काम करना चाहे, जरूर करे लेकिन वह थोपी नहीं जाए। हां पर हिंदी को भी थोपा ना जाए बस इतना हो जाए की सरकारी कार्यो में हिंदी को बढ़ावा दे दो हिंदी स्वयं ही आम बोलचाल की भाषा हो जाएगी। आज विदेशो में उनकी भाषा में ही काम होता है सरकारी महकमों में भी उस देश की भाषा ही बोली जाती है , मसलन चाइनीज ,फ्रांसीसी , जापानी ,अरबी यहाँ सिर्फ विदेशी व्यापार में अंग्रेजी का प्रयोग होता हैं। यह जगजाहिर है कि भारत विविधताओं से भरा अलग-अलग संस्कृतियों और भाषाओं का देश है। अब तक देश की सबसे बड़ी ताकत यही रही है कि किसी भी क्षेत्र की संस्कृति या भाषा को अन्य पर जबरन थोपने की कोशिश नहीं हुई। एक व्यापक एकता का भाव सबको एक सूत्र में जोड़ता है। लेकिन अगर इतने बड़े दायरे में फैले भारत के लिए किसी एक भाषा की बात कही जाती है तो यह ध्यान रखने की जरूरत होनी चाहिए कि इससे भिन्न भाषाओं के लोगों और संस्कृतियों पर क्या असर पड़ेगा और उनकी ओर से कैसी प्रतिक्रिया आएगी। हिंदी को लेकर अमित शाह की राय के सामने आने के बाद गैर हिंदी भाषी क्षेत्रों की ओर से तीखी प्रतिक्रिया भी हुई है । तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक ने केंद्र सरकार को हिंदी थोपने को लेकर आगाह किया और कहा कि राज्य के लोग भाषा के मसले पर पार्टी के दिवंगत नेता एम करुणानिधि के आंदोलन को भूले नहीं हैं और वे ऐसा नहीं होने देंगे। पूर्वोत्तर राज्यों में दसवीं कक्षा तक हिंदी को अनिवार्य विषय बनाने के मसले पर भी तीखा विरोध हो रहा है। इसके अलावा, विपक्षी दलों के कई नेताओं ने इस तरह की कोशिश को भारत के बहुलतावाद पर हमला बताते हुए ऐसे कदम से बचने की सलाह दी। इन प्रतिक्रियाओं को देखते हुए कहा जा सकता है कि भाषा को लेकर केंद्र की ओर से समूचे देश के लिए एकरूपता पर आधारित कोई कदम नए उथल-पुथल की शुरुआत कर सकता है। भाषा के मुद्दे पर अतीत में जैसे हालात देखने में आए हैं, उसके मद्देनजर इसे एक बेहद संवेदनशील मसला माना जा सकता है। हालांकि गैर-हिंदी भाषी राज्यों के कई नेताओं ने यह कहा कि वे हिंदी को लेकर बहुत सहज हैं और इसके समर्थक हैं, मगर इसे किसी पर थोपे जाने का विरोध करते हैं। जाहिर है इस मसले में अभी देश में एक राय नहीं बन पाई है। इसमें कोई संदेह नहीं कि हिंदी की एक विशेष जगह है और इसके विस्तार को लेकर अलग-अलग स्तरों पर प्रयास भी चल रहे हैं। देश के ज्यादातर हिस्सों में भिन्न भाषाओं के लोग भी हिंदी में संवाद को लेकर धीरे-धीरे सहज हो रहे हैं। लेकिन जब आशंका यह हो जाए कि उस पर थोपा जा रहा है तो कई बार ऐसी सहजता बाधित होती है। अंग्रेजी ने पहले ही हिंदी को कमजोर बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इसलिए अब हिंदी की स्थिति को मजबूत करने के लिए की जाने वाली कोशिशें सकारात्मकता के भाव से आगे बढ़नी चाहिए, ताकि इसकी स्वीकार्यता भी सहज हो। हिंदी के प्रचलन से यदि किसी अहिंदीभाषी को कोई नुकसान होता हो तो उसका विरोध होना चाहिए अंग्रेजी को हटाने नहीं बल्कि उसकी जगह भारतीय भाषाएं को भी तव्वजो मिलनी चाहिए , यदि हिंदीभाषी लोग अन्य भारतीय भाषाएं निष्ठापूर्वक सीखें तो इन अंग्रेजीप्रेमियों की बोलती बंद हो जाएगी। जितने अंग्रेजीप्रेमी दक्षिण भारत में हैं, उससे ज्यादा उत्तर भारत में हैं। ये ज्यादातर शहरी, सवर्ण और पूंजीपति हैं । यही देश का शासक-वर्ग भी है।यदि अंग्रेजी बोलचाल और सरकारी महकमों से हट गई तो देश के गरीब, ग्रामीण, पिछड़े, वंचित लोगों के लिए उच्च शिक्षा, उच्च सेवा, उच्च पदों, उच्च आय और उच्च जीवन के मार्ग खुल जाएंगे। अंग्रेजों के ज़माने से बंद इन दरवाजों के खुलते ही देश में समतामूलक क्रांति का सूत्रपात अपने आप हो जाएगा। गैर-हिंदी प्रदेशों की आम जनता का अंग्रेजी से कुछ लेना-देना नहीं है। लेकिन उनकी मज़बूरी है कि हमने अंग्रजी भाषा को चुना , वरना आज संसद में भी गैर-हिंदी भाषी अपनी भाषा में बोलते और पूरा देश हिंदी मे सुनता ,हिंदी भाषी को भी दक्षिण और पूर्वोत्तर की भाषा का ज्ञान जरुरी है , यही हमारी मिलीजुली संस्कृति है ,और हम हिंदी को तभी स्थापित कर सकते है जब हमे भी अन्य भारतीय भाषाओं का ज्ञान हो ,सब कुछ हम दक्षिण और पूर्वोत्तर पर दोष नहीं मढ़ सकते है ,आखिर देश हम सब का हैं। सवा सौ अरब आबादी के देश में सिर्फ 8-10 करोड़ लोग अंग्रेजी बोलते हैं और इन लोगो के लिए हम अपने देश की विविधता वाली संस्कृति को दांव पर नहीं लगा सकते हैं। हमे पहले लोकभाषाओं से जुड़ना होगा उसके बाद ही हम दूसरे से जुड़ेंगे। उत्तर भारत और दक्षिण भारत के करोड़ों ग्रामीण, किसान, मजदूर, महिलाएं, हिंदू-मुस्लिम तीर्थयात्री और पर्यटक जब एक-दूसरे के प्रदेशों में जाते हैं तो क्या वे अंग्रेजी में संवाद करते हैं? नहीं वे हिंदी में करते हैं। हमे अपनी लोकभाषाओं का सम्मान करना होगा और उसके बाद ही हम हिंदी को राजभाषा बना पाएंगे। अंग्रेजी गुलामी की भाषा है और हिंदी प्रेम की भाषा है।

(यह लेखक की निजी राय है)

बाल मन पर कोरोना संकट की आंच

क्षमा शर्मा

बीते दो-ढाई साल कोरोना के कारण पूरी दुनिया के लिए भारी मुसीबत के रहे हैं। इनमें भी खास तौर से बच्चों और उनके माता-पिता के लिए। यों तो बुजुर्गों की तकलीफें भी कुछ कम नहीं रहीं। कुछ माह पहले ब्रिटेन में एक सर्वे किया गया था। नाम था-वन पोल सर्वे। इसमें कोरोना के कारण बच्चों पर क्या असर पड़ा है, इस पर बातचीत की गई थी। इसमें जो बच्चे पांच से चौदह साल के थे, उनके माता-पिता को शामिल किया गया था। इसमें दस में से सात माता-पिता ने माना था कि बच्चे सबसे घुलना-मिलना भूल गए हैं। इन अभिभावकों ने कहा कि बच्चे न केवल बाहर वालों से बल्कि घर वालों से भी मिलने-जुलने और बात करने में असहज महसूस कर रहे हैं। वे किसी से मिलना नहीं चाहते, किसी आने वाले का स्वागत नहीं करना चाहते। वे एक तरह से अपने खोल में बंद हो गए हैं। ऐसे बच्चों की संख्या लगभग बासठ प्रतिशत थी। यानी कि आधे से अधिक बच्चे ऐसा कर रहे थे। इकतालीस प्रतिशत बच्चे ऐसे थे, जो बड़ों से तो छोड़िए, अपने दोस्तों से भी बात नहीं करना चाहते थे। यहां तक कि वे विनम्रता से बातें करना और धन्यवाद देना तक भूल गए थे। यूनिसेफ ने भी कहा था कि इन दिनों (कोरोना काल में) माता-पिता बच्चों के साथ अधिक से अधिक समय बिताएं। उनके सवालों का जवाब दें। इस महामारी से दुनिया भर में लगभग डेढ़ अरब बच्चे प्रभावित हुए हैं। इनमें 24.7 करोड़ बच्चे भारत के हैं। लांसेट पत्रिका ने भी पिछले दिनों एक लेख छापा था, जिसमें बताया गया था कि जिन बच्चों ने इस दौरान जन्म लिया है, उन्होंने तो बाहर की दुनिया देखी ही नहीं है। जबकि विशेषज्ञ कहते हैं कि बच्चे अपने जीवन में तीन साल की उम्र तक सबसे अधिक सीखते हैं। ऐसे में यदि वे इस उम्र में घर में ही बंद रहे, तो सीखेंगे कैसे। बाहरी दुनिया को समझने की उनकी ताकत कैसे विकसित होगी। देखने में यह भी आया है कि इस दौरान दुनिया भर के बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर तो असर पड़ा ही, उनकी शारीरिक व्याधियां भी बढ़ीं। घर में रहकर भी वे तरह-तरह के दर्द और थकान से परेशान रहे। बोरियत भी थी। फिर माता-पिता या बड़ों की टोकाटाकी तो थी ही। ये न करो, वह न करो की हिदायतें भी। बहुत से बच्चों के घर भी इतने बड़े नहीं कि घर में ही खेल-कूद सकते। जिस मोबाइल को पाने को लालायित रहते थे, बहुतों का अब उसे छूने का मन भी नहीं करता। कम्प्यूटर की तो बात ही कौन कहे। देखा जाए तो इस दौर में माता-पिता की मुश्किलें भी कोई कम नहीं रहीं। मध्य वर्ग के जो माता-पिता इन दिनों घर से काम कर रहे थे, उनका कहना है कि घर से काम करने के कारण उनके काम के घंटे बहुत बढ़ गए थे। दफ्तर वालों को लगता था कि घर में ही तो हैं। आने-जाने का समय बच रहा है तो क्यों न ज्यादा से ज्यादा काम सौंपा जाए। काम न करते तो शायद नौकरी भी न बचती। न जाने कितनों की नौकरी चली ही गई थी। ऐसे में बच्चों पर कितना ध्यान दे पाते, दफ्तर के साथ घर के भी सारे काम थे। बहुतों के यहां कोई बाहरी मदद भी नहीं थी। फिर बच्चों के घर में रहने के कारण उनकी मांगें भी बढ़ी थीं, उन्हें कैसे पूरा करते जबकि दम लेने की फुर्सत नहीं रही। चौबीस घंटे घर में रहने के कारण बच्चों की चिड़चिड़ाहट भी बढ़ी और कई बच्चे हिंसक होते हुए भी देखे गए। माता-पिता का गुस्सा भी बढ़ा। उन पर काम का दोहरा-तिहरा बोझ रहा और समझ पाना मुश्किल था कि समय पर सारे जरूरी काम कैसे निपटाएं। बहुत से घरों में जहां संयुक्त परिवार था, बच्चों की देखभाल के लिए दादा-दादी, नाना-नानी मौजूद थे, वहां बच्चों में गुस्सा या चिड़चिड़ाहट कम देखी गई। पिछले ही दिनों एक अंग्रेजी अखबार के एक कालम को पढ़ रही थी। इसमें चार बच्चों से सवाल पूछे थे। इनमें से हर एक ने कहा था कि वे बहुत दिनों से स्कूल नहीं गए हैं। अब उन्हें स्कूल जाने में घबराहट महसूस हो रही है। लगता है दोस्त भी उन्हें भूल गए होंगे। वे पहले जैसे नहीं रहे होंगे। हालांकि उनकी ये चिंताएं निर्मूल भी साबित हुई होंगी। जब कोरोना का प्रकोप कम होने लगा, बंदिशें हटाई जाने लगीं तो लगा कि कुछ राहत हुई। चैन की सांस आई। प्रार्थनाएं होने लगीं कि अब ऐसे दिन कभी देखने को न मिलें। स्कूल खुल गए। रौनक लौटने लगी। इस लेखिका के घर के आसपास के स्कूलों में भी बड़ी संख्या में बच्चे आते-जाते, खिलखिलाते, मस्ती करते दिखाई देने लगे। उन्हें लाने-ले जाने वाले रिक्शे, दुपहिया वाहन और बसें नजर आने लगीं। ये सब बातें बच्चों की उपस्थिति दर्ज कराने लगीं। बच्चों की चहल-पहल, माइक पर विभिन्न कार्यक्रमों की आवाजें सुनाई देने लगीं। खेल के मैदान बच्चों के शोरगुल से भर गए। स्कूलों के पास बच्चों की रुचि की तरह-तरह की चीजें बेचने वाले नजर आने लगे। जीवन जैसे नए सिरे से वापस लौटने लगा। लेकिन हाल ही की खबर है कि स्कूलों में बच्चे संक्रमित हुए मिल रहे हैं। इन स्कूलों को बंद कर दिया गया है। न मालूम कितने स्कूलों में दूसरे बच्चे भी संक्रमित हुए होंगे। यह पता तभी चलेगा जब सब बच्चों का कोरोना टेस्ट होगा। लगातार बताया भी जा रहा है कि कोरोना के मामले फिर से बढ़ रहे हैं। अगर फिर से मामले बढ़े, तो फिर से स्कूलों की लम्बी छुट्टियां कर दी जाएंगी। ऐसे में बच्चों का क्या होगा। चंद दिन की उनकी खुशी क्या फिर से घर में बंद हो जाएगी। कहां तो बच्चे छुट्टियों का इंतजार करते थे, लेकिन अब वे लगातार की छुट्टियों से ऊब गए हैं। स्कूल खुलने की खुशी पीठ पर बस्ते लटकाए इन बच्चों की आंखों और चेहरों में देखी जा सकती थी, लेकिन यदि दोबारा स्कूल बंद होने की नौबत आई, तब पता नहीं हमारे इन बच्चों को क्या होगा। तरह-तरह की परेशानियों और अकेलेपन से वे कैसे निपटेंगे।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आज के कार्टून

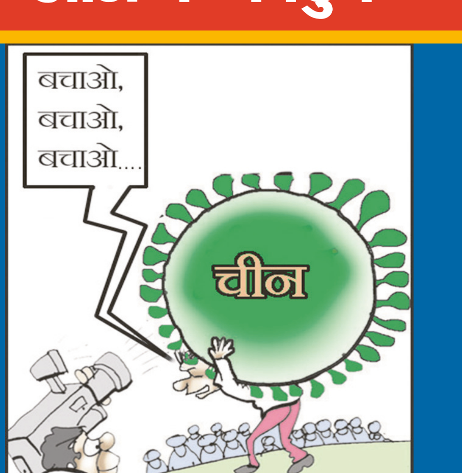

थकान

श्रीराम शर्मा आचार्य/ खुली धूप, ताजी हवा और अंग संचालन के लिए आवश्यक शारीरिक परिश्रम का अभाव साधन-संपन्न लोगों की थकान का मुख्य कारण है। साधन-संपन्न लोग ही तात्कालिक सुविधा देखते हैं, और दूरगामी क्षति को भूल जाते हैं। फलतः आरामतलबी का रवैया भारी पड़ता है और थकान तथा उससे उत्पन्न अनेक विग्रहों का सामना करना पड़ता है। म्यूनिख (जर्मनी) की वावेरियन एकेडमी ऑफ लेबर एंड सोशल येडीशन संस्था के शोधों का निष्कर्ष है कि कठोर शारीरिक श्रम करने वाले मजदूरों की अपेक्षा दफ्तरों की बाबूगीरी स्वास्थ्य की दृष्टि से खतरनाक है। स्वास्थ्य परीक्षण-तुलनात्मक अध्ययन आंकड़ों के निष्कर्ष और शरीर रचना तथ्यों को सामने रखकर शोध कार्य करने वाली इस संस्था के प्रमुख अधिकारी एरिफ हाफमैन का कथन है कि कुर्सियों पर बैठे रहकर दिन गुजारना अन्य दृष्टियों से उपयोगी हो सकता है पर स्वास्थ्य की दृष्टि से सर्वथा हानिकारक है। इससे मांसपेशियों के ऊतकों एवं रक्त वाहिनियों को मिली हुई स्थिति में रहना पड़ता है, वे समुचित श्रम के अभाव में शिथिल होती चली जाती हैं। फलतः उनमें थकान और दर्द की शिकायत उत्पन्न होती है। रक्त के नये उभार में, उठती उम्र में यह हानि उतनी अधिक प्रतीत नहीं होती पर जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, वैसे-वैसे आंतरिक थकान के लक्षण बाहर प्रकट होने लगते हैं, और उन्हें कई बुरी बीमारियों के रूप में देखा जा सकता है। कमर का दर्द (लेवैगो), कूल्हे का दर्द (साइटिका) गर्दन मुड़ने में कंधा उचकाने में दर्द, शिरा स्फीति (वेरी कजोवेंस), बवासीर, स्थायी कब्ज, आंतों के जख्म, दमा जैसी बीमारियों के मूल में मांसपेशियों और रक्त वाहिनियों की निर्बलता ही होती है, जो अंग संचालन, खुली धूप और स्वच्छ हवा के अभाव में पैदा होती है। इन उभारों को पूर्व रूप की थकान समझा जा सकता है। बिजली की तेज रोशनी में लगातार रहना, आंखों पर ही नहीं आंतरिक अवयवों पर भी परोक्ष रूप से बुरा प्रभाव डालता है। आंखें एक सीमा तक ही प्रकाश की मात्रा को ग्रहण करने के हिसाब से बनी हैं। प्रकृति ने रात्रि के अंधकार को आंखों की सुविधा के हिसाब से ही बनाया है। प्रातः-सायं के समय भी मंद प्रकाश रहता है। कहा जा सकता है कि आंखें प्रकाश की अति प्रबल शक्ति को भी शरीर में भेजने की अनुचित मात्रा को रोकने का काम करती हैं।

सू-दोकू नवताल -2093

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

सू-दोकू -2092 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2093

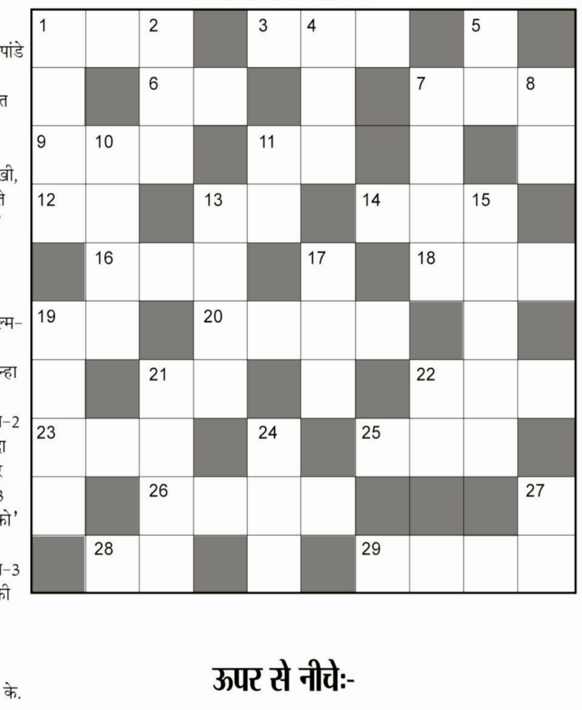

बायें से दायें:-

1. 'लागा रे जल लागा' गीत वाली अमिताभ, शाहरुख खान, सुनील शेट्टी, रानी मुखर्जी, जूही चावला अभिनीत फिल्म-3
3. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की 'मेहंदी है रचने वाली' गीत वाली फिल्म-3
6. 'तू मेरे सामने' गीत वाली सनी देओल, शाहरुख खान, जूही चावला की फिल्म-2
8. संजय दत्त, पूजा भट्ट की 'तुम्हें अपना बनाने की कसम' गीत वाली फिल्म-3
9. 'आया है मुझे फिर याद वो' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
11. दिलीप कुमार, निम्मी की 'ऐ मेरे दिल कहीं और चल' गीत वाली फिल्म-2
12. 'बंद होठों से जो इक बात' गीत वाली नसीरुद्दीन शाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-2
13. नागार्जुन, अमला की 'किस मी हे यू रॉन्ग नंबर' गीत वाली फिल्म-2
14. 'तुम्हारे प्यार में हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा पारेख की फिल्म-3
16. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-3
18. 'मेरे गाल छुए जो तू' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-3
19. अमिताभ, शशि कपूर, राखी, परवीन, बिंदिया की 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-2
20. 'ये वादा करो चांद के सामने' गीत वाली प्रदीप कुमार, मधुबाला की फिल्म-4
21. अतिन भल्ला, संदली सिन्हा की 'दिल ने दिल को पुकारा' गीत वाली फिल्म-2
22. अमिताभ बच्चन, जया प्रदा की 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली फिल्म-3
23. 'छोटा बच्चा जानके हमको' गीत वाली इंद्र कुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-3
25. अमोल पालेकर, रंजीता की 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-3
26. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली समीर दत्तानी, के. के. मेनन, बिपाशा बसु, मिनीषा लांबा की फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-4
2. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से लड़ाई' गीत वाली दिलीप कुमार, वैजयंतीमाला की फिल्म-3
4. 'सारे शहर में आपसा कोई नहीं' गीत वाली फिल्म-3
5. 'ये जान ले ले रे' गीत वाली संजय दत्त, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-2
8. धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की 'अभी क्या सुनोगे सुना तो हंसोगे' गीतवाली फिल्म-4
8. 'शाम भी खूब है पास महबूब है' गीत वाली सनी देओल, सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-2
10. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूं' गीत वाली फिल्म-4
11. 'क्यूं आंचल हमारा गिरा जा रहा है' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना की फिल्म-2
13. जीतेंद्र, आदित्य पंचोली,जावेद जाफरी, संगीता, एकता की 'आ ये हसीन रात मोहब्बत में' गीत वाली फिल्म-4
15. आमिर खान,जूही,ममता की फिल्म 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-2,3
18. 'हमें तुम से तुम्हें हमसे शिकायत हो तो' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-3
19. 'हम बेवफा हर्गिज न थे' गीत वाली फिल्म-4
21. 'बीड़ी जलईले' गीत वाली अजय देवगन, सैफ अली, विवेक, करीना, बिपाशा की फिल्म-4
22. यह सुरैया की अंतिम फिल्म थी-2
24. 'आंखों से दिल में उतर कर' गीत वाली फराज खान, मिलिंद गुणाजी, सुमन रंगनाथन की फिल्म-3
28. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2092

ए	त	ग	ज	■	ग	■	स	■	प्या
ला	■	जा	■	ग	स्ते	का	प	त्थ	र
न	ज	ग	ना	■	प्या	■	ने	■	का
■	■	नी	■	आ	र	जू	■	प्या	सा
ल	क्ष्य	■	क	■	के	■	दु	■	या
की	■	ध	र्मा	त्मा	■	मे	ला	■	■
■	जो	र	■	■	श	ग	ग	■	सू
आ	र	ती	■	सा	■	ध	■	स	र
नं	दा	■	सा	ज	औ	र	आ	वा	ज
द	र	मि	या	न	■	म	ह	ल	■

एचडीएफसी बैंक का शुद्ध लाभ 23 फीसदी बढ़ा, कुल आय 41085 करोड़ हुई

नई दिल्ली । एचडीएफसी बैंक की चौथी तिमाही के वित्तीय नतीजे आ गए हैं। बैंक ने शनिवार को जारी नतीजों में बताया कि मार्च 2022 को समाप्त तिमाही में उसका स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ 22.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 10,055.2 करोड़ रुपये हो गया है। देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने पिछले वित्त वर्ष की इसी चौथी तिमाही में 8,186.50 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कराधान के लिए 2,989.5 करोड़ रुपये निकालने के बाद बैंक ने 10,055.20 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया, जो 31 मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही से 22.8 प्रतिशत ज्यादा है। एचडीएफसी बैंक ने नियामक फाइलिंग में कहा कि वित्त वर्ष 22 की चौथी तिमाही के दौरान कुल आय (स्टैंडअलोन) बढ़कर 41,085.78 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 38,017.50 करोड़ रुपये थी। मार्च में समाप्त तिमाही के लिए शुद्ध राजस्व (शुद्ध ब्याज आय और अन्य आय) 7.3 प्रतिशत बढ़कर 26,509.80 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले 24,714.10 करोड़ रुपये था।

बिजली एवं नवीकरणीय ऊर्जा के विनिर्माण क्षेत्र के लिए अभिरुचि पत्र आमंत्रित

नई दिल्ली । सरकार ने पायलट आधार पर बिजली एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक विनिर्माण क्षेत्र स्थापित करने अभिरुचि पत्र आमंत्रित किए हैं। बिजली मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार यह प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि आठ जून, 2022 है। हाल ही में जारी इस अधिसूचना के अनुसार पायलट आधार पर बिजली और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिये एक विनिर्माण क्षेत्र स्थापित करने को लेकर अभिरुचि पत्र बिजली और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसमें रुचि रखने वाली कंपनियों से आठ जून, 2022 तक अभिरुचि पत्र जमा करने को अनुरोध है। मंत्रालय ने इससे पहले बिजली क्षेत्र के लिए पायलट आधार पर पांच साल की अवधि में 400 करोड़ रुपए के बजटीय व्यय के साथ एक विनिर्माण केंद्र स्थापित करने की योजना संबंधी आदेश जारी किए थे।

अल्ट्राटेक सीमेंट ने 10 करोड़ डॉलर में खरीदी यूएई की कंपनी में हिस्सेदारी

नई दिल्ली । सीमेंट बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट ने संयुक्त अरब अमीरात की आरएके सीमेंट कंपनी में 29.39 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए 10.11 करोड़ डॉलर (करीब 839.52 करोड़ रुपए) निवेश की घोषणा की है। आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह कंपनी के लिए एक रणनीतिक निवेश है। कंपनी की पूर्ण अनुषंगी अल्ट्राटेक सीमेंट मिडिल ईस्ट इनवेस्टमेंट लिमिटेड (यूसीएमईआईएल) ने आरएके सीमेंट कंपनी फॉर व्हाइट सीमेंट एंड कंस्ट्रक्शन मैटेरियल्स पीएससी (आरएकेडब्ल्यूसी) में 29.39 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए निवेश किया है। यह कंपनी अबु धाबी और कुवैत शेयर बाजारों में सूचीबद्ध है। अल्ट्राटेक के अनुसार यह हिस्सेदारी 10.11 करोड़ डॉलर के निवेश से प्राप्त की गई है। इसके साथ ही संयुक्त अरब अमीरात की कंपनी में यूसीएमईआईएल की हिस्सेदारी 29.79 प्रतिशत हो जाएगी। आरएकेडब्ल्यूसी का गठन सितंबर 1980 में हुआ था और उसका कारोबार कैलेंडर वर्ष 2021 में 482.5 करोड़ रुपए रहा था।

मार्च में भारत में बिके 50 हजार इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स

-बिक्री में ओला ने ओकिनावा को पछाड़ा

नई दिल्ली ।

पिछले महीने भारत में करीब 50 हजार इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स बिके हैं और इनमें टॉप पोजिशन पर हीरो इलेक्ट्रिक कंपनी है। मार्च 2022 में हीरो इलेक्ट्रिक कंपनी ने सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे। इसके बाद ओला इलेक्ट्रिक पिछले महीने ओकिनावा को पीछे छोड़ते हुए सेकेंड पोजिशन पर रही। ओकिनावा तीसरे नंबर पर और एम्पियर वीइकल्स चौथे नंबर पर रही। चलिए, आपको भारत की पॉपुलर इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनियों के बारे में बताते हैं। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स की मार्च 2022 सेल्स रिपोर्ट देखें तो इस अवधि में हीरो इलेक्ट्रिक ने कुल 13,023 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे। इसके बाद ओला इलेक्ट्रिक ने अपने पॉपुलर स्कूटर ओला एस1 और ओला एस1 प्रो की कुल 9127 यूनिट बेचीं। ओकिनावा ऑटोटेक कंपनी ने पिछले महीने 8284 इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स बेचे। चौथे नंबर पर रही एम्पियर वीइकल्स प्राइवेट लिमिटेड ने 6,338 इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स बेचे। इसके बाद टीवीएस मोटर कंपनी रही, जिसके ऐथर को पिछले महीने पछाड़ 2,267 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे। वहीं, ऐथर एनर्जी ने 2226 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे। पिछले महीने की इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेल्स रिपोर्ट देखें तो सातवें नंबर पर प्योर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड रही, जिसकी कुल 2066 यूनिट बिकी है। भारत में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक मोटरसाइकल बेचने वाली कंपनी रिवॉल्ट ने पिछले महीने 1409 ई-बाइक बेचे। इसके बाद जितेंद्र न्यू टेक प्राइवेट लिमिटेड ने 1034 और बीइंग इंडिया एनर्जी एंड टेक्नॉलजी जैसी कंपनी ने 1013 इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स बेचे। बजाज ऑटो ने पिछले महीने 827 चेतक इलेक्ट्रिक बेचे। इसके बाद गो ग्रीन, म्यू, केएलबी कोमाकी समेक अन्य कंपनियों ने भी ठीक-ठाक इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स बेचे। बता दें कि भारत में जैसे-जैसे पेट्रोल की कीमत बढ़ रही है, वैसे-वैसे लोगों को इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स की अहमियत दिखने लगी है। ऐसे में जो लोग नई मोटरसाइकल या स्कूटर खरीदने का प्लान बना रहे हैं, वे अब इलेक्ट्रिक स्कूटर्स को भी बेहतर ऑप्शन के रूप में देखने लगे हैं।

एलोन मस्क नहीं रहे ट्विटर के बड़े शेयरधारक

वाशिंगटन । टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलोन मस्क अब ट्विटर के बड़े शेयरधारक नहीं रहे। यह वैनगार्ड समूह के हाल ही में माइक्रो-ब्लॉगिंग कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के कारण हुआ। जानकारी के मुताे बिक ट्विटर को खरीदने की कोशिश कर रहे मस्क अब इसके सबसे बड़े शेयरधारक नहीं हैं। वैनगार्ड समूह द्वारा आयोजित धन ने सोशल मीडिया मंच में उसकी हिस्सेदारी को बढ़ा दी है, जिससे यह ट्विटर का सबसे बड़ा शेयरधारक हो गया है और सबसे ऊपर मौजूद मस्क को नीचे कर दिया है।

जेनरिक औषधियों पर ध्यान केंद्रित करें दवा कंपनियां- गोयल

मुंबई । केंद्रीय उद्योग एवं व्यापार मंत्री पीयूष गोयल ने घरेलू दवा उद्योग से जेनेरिक औषधियों में खुद को मजबूत बनाने और दवाओं के कच्चे माल एवं उत्पादन के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने को कहा। जेनेरिक दवाओं से आशय वैसी आषधियों से हैं, जिसका पेटेंट समाप्त होने के बाद मूल कंपनी के अलावा अन्य कंपनियों को उसे बनाने की अनुमति होती है और अपेक्षाकृत सस्ती होती हैं। गोयल ने भारतीय दवा विनिर्माता संघ के हाल ही में स्वर्ण जयंती समारोह में कहा कि फार्मा उद्योग को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने के लिए एक दीर्घकालिक योजना बनाकर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में देखी गई जबरदस्त वृद्धि को आगे भी बनाए रखना चाहिए ताकि हम आत्मनिर्भर बन सकें। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के बारे में कुछ पूर्वानुमान लगा पाना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। चुनौतियों का दायरा कल्पना से भी अधिक गंभीर होता जा रहा है। गोयल ने कहा कि ऐसी स्थिति में यह जरूरी है कि हम न केवल जेनरिक दवाओं के क्षेत्र में अपनी मजबूती पर ध्यान दें बल्कि अपने कच्चे माल एवं उत्पादन के बीच तालमेल को भी बनाए रखें। उन्होंने कहा कि हमें लंबे समय में अधिक-से-अधिक आत्मनिर्भर बनने की योजना बनानी चाहिए। इस तरह हम दुनिया के सामने ताकतवर देश के विश्वास के साथ जाएंगे और अपने उद्योग के बेहतर भविष्य के लिए दुनिया के साथ समान शर्तों पर काम करेंगे। गोयल ने कहा कि भारत को दुनिया के स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र का संरक्षक बनने का इरादा लेकर चलना चाहिए। हरेक देश अपने प्रमुख उद्योग को संरक्षण देता है और मेरा मानना है कि हमारे लिए यह प्रमुख उद्योग फार्मा है।

गरमाया एसी बाजार, मार्च में ही बिक गए 15 लाख एसी

नई दिल्ली ।

देश में इस साल अभी से गर्मी ने रेकॉर्ड तोड़ दिया है। कई स्थानों पर तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। जिसकी वजह से एसी की मांग बढ़ गई है। माना जा रहा है केवल मार्च में ही एसी की बिक्री 15 लाख यूनिट के पार पहुंच गई। कई कंपनियों का कहना है कि इस साल एसी की बिक्री के रेकॉर्ड टूटने जा रहे हैं। एसी बनाने वाली पैनासोनिक, वोल्टास, एलजी और लॉयड्स जैसी कंपनियों का कहना है कि इस साल बंपर बिक्री की उम्मीद है। इससे पहले दो साल तक कोरोना से जुड़े लॉकडाउन और पाबंदियों के कारण उनकी बिक्री प्रभावित हुई थी। यही वजह है कि इस बार एसी की बंपर बिक्री हो सकती है। पैनासोनिक के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि पेंट अप मांग बहुत ज्यादा है और एसी का बाजार महामारी के पहले के स्तर से भी बड़ा हो रहा है। कोरोना से पहले 2019 में एसी की कुल बिक्री 75 लाख यूनिट रही थी। इस साल यह 92 से 95 लाख यूनिट रह सकती है। हम इस बार रेकॉर्ड बनने की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि सप्लाई की समस्या अब भी बनी हुई है। देश में अब भी एसी की संख्या दुनिया के कई देशों के मुकाबले कम है। देश में कुल छह फीसदी लोगों के पास एसी है। वोल्टास का कहना है कि इस बार मांग बहुत ज्यादा है। पिछले महीने बिक्री अच्छी रही। अप्रैल में इसके और बेहतर होने की संभावना है। एलजी इंडिया ने कहा कि दिल्ली, यूपी, राजस्थान, हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में मांग ज्यादा है। लॉयड ब्रांड ने कहा कि कंपनी ने मार्च में रेकॉर्ड 2.5 लाख एसी बेचे। आने वाले महीनों में मांग और बढ़ने की उम्मीद है। हिताची एसी इंडिया का कहना है कि सरकार के घरेलू विनिर्माण पर जोर देने, पीएलआई स्कीम और अनुकूल कंज्यूमर सेंटीमेंट्स से भी एसी की बिक्री बढ़ी है। लेकिन मांग बढ़ने के बावजूद कंपनियां कलपुर्जों की शॉर्ट सप्लाई से चिंतित हैं।

विमान ईंधन की कीमत में 0.2% की बढ़ोतरी, रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचे दाम

नई दिल्ली :

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में जारी तेजी के बीच विमानों में ईंधन के तौर पर इस्तेमाल होने वाले एटीएफ की कीमतें भी शनिवार को 0.2 प्रतिशत बढ़ा दी गईं। यह एटीएफ की कीमतों में हुई इस साल की लगातार आठवीं बढ़ोतरी है। सार्वजनिक तेल कंपनियों की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक एटीएफ के दाम में 277.5 रुपए प्रति किलोलीटर यानी 0.2 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। इस मूल्य वृद्धि के बाद राजधानी दिल्ली में एटीएफ के भाव 1,13,202.33 रुपए प्रति किलोलीटर हो गए हैं। इस तरह एटीएफ की कीमत रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। इस बीच पेट्रोल एवं डीजल के दाम लगातार दसवें दिन अपरिवर्तित बने रहे। इसके पहले करीब दो हफ्ते में पेट्रोल और डीजल दोनों के दामों में 10-10 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की गई थी। विमान ईंधन की कीमतों में हरेक महीने की पहली और 16वीं तारीख को संशोधन किया जाता है जबकि तेल कंपनियों को पेट्रोल और डीजल की कीमत में दैनिक आधार पर बदलाव करने की छूट है। एटीएफ की कीमतों में 16 मार्च को 18.3 फीसदी की भारी वृद्धि की गई थी। उसके बाद एक अप्रैल को भी इसके दाम में दो फीसदी की बढ़ोतरी हुई थी। बहरहाल कीमत में ताजा बढ़ोतरी के बाद मुंबई में एटीएफ की कीमत अब 1,11,981.99 रुपए प्रति किलोलीटर हो गई है जबकि कोलकाता में इसकी कीमत 1,17,753.60 रुपए और चेन्नई में 1,16,933.49 रुपए प्रति किलोलीटर हो गई है। अपनी तेल जरूरतों को पूरा करने के लिए 85 फीसदी आयात पर निर्भर भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में हुई हालिया बढ़ोतरी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम में दर्ज की गई वृद्धि का नतीजा है। इसके अलावा महामारी से उबर रही अर्थव्यवस्था में तेल की मांग भी बढ़ रही है। किसी विमानन कंपनी की परिचालन लागत में करीब 40 फीसदी की हिस्सेदारी रखने वाले एटीएफ की कीमत भी इस साल लगातार बढ़ी है। इस साल अब तक हुई आठ मूल्य वृद्धि में एटीएफ के दाम 39,180.42 रुपए प्रति किलोलीटर तक बढ़ चुके हैं।

बाइडन ने तेल पर रॉयल्टी की दर बढ़ाई

मोंटाना । अमेरिका के आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि वह देश के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन में पहली बार देश में सार्वजनिक तेल और गैस खनन का पट्टा बेचने की योजना बना रहा है लेकिन कंपनियों के लिए रॉयल्टी की दर बढ़ाई जाएगी। मंत्रालय ने बताया कि अब नए पट्टे के लिए रॉयल्टी की दर को 12.5 प्रतिशत से बढ़ाकर कर 18.75 प्रतिशत कर दिया गया है। यह 50 प्रतिशत की वृद्धि है। संघीय सरकार ने 1900 सदी की शुरुआत के बाद पहली बार रॉयल्टी की दरों में वृद्धि की है। उल्लेखनीय है कि बाइडन ने जनवरी 2021 में राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के महज एक सप्ताह के बाद नए पट्टे जारी करने की प्रक्रिया को स्थगित कर दिया था। बहरहाल, लुइसियाना के संघीय न्यायाधीश ने इसकी बिक्री बहाल करने का आदेश जारी करते हुए कहा था कि आंतरिक मंत्रालय के अधिकारियों ने उन्हें रद्द करने के लिए कोई तार्किक जवाब नहीं दिया है। गौरतलब है कि हाल ही में लिया गया फैसला बाइडन पर अमेरिकी कच्चे तेल के उत्पादन में वृद्धि करने और पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को कम करने को लेकर विपक्षी पार्टी रिपब्लिकन द्वारा बनाए गए दबाव के बाद आया है क्योंकि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी और यूक्रेन युद्ध की वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पहले ही दबाव है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 2 अरब डॉलर की गिरावट

मुंबई ।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार पांचवें सप्ताह गिरावट आई है। 8 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में यह 2.471 अरब डॉलर घटकर 604.004 अरब डॉलर रह गया। बीते पांच सप्ताह विदेशी मुद्रा 28.5 अरब डॉलर घट चुका है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से हाल ही में जारी किए गए आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इससे पहले 1 अप्रैल 2022 को खत्म हुए सप्ताह में यह रिकॉर्ड 11.173 अरब डॉलर घटकर 606.475 अरब डॉलर रह गया था। 25 मार्च, 2022 को समाप्त हुए सप्ताह में यह 2.03 अरब डॉलर घटकर 617.648 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक के मुताबिक 18 मार्च, 2022 को समाप्त हुए सप्ताह में यह 2.597 अरब डॉलर घटकर 619.678 अरब डॉलर रह गया था। इससे पहले 11 मार्च को समाप्त हुए सप्ताह में यह 9.646 अरब डॉलर घटकर 622.275 अरब डॉलर रह गया था। आरबीआई के जारी किए गए साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 8 अप्रैल को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में यह गिरावट मुख्य रूप से फॉरेन करेंसी एसेट (एफसीए) में

आई कमी की वजह से हुई जो कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रिजर्व बैंक ने कहा कि रिपोर्टिंग वीक में भारत की एफसीए 10.7 अरब डॉलर घटकर 539.727 अरब डॉलर हो गई। डॉलर में बताई जाने वाली एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है। गौरतलब है देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3 सितंबर, 2021 को खत्म हुए सप्ताह में 642.453 अरब डॉलर के सार्वजनिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

स्वास्थ्य जीवन बीमा पॉलिसियां 15 प्रतिशत महंगी

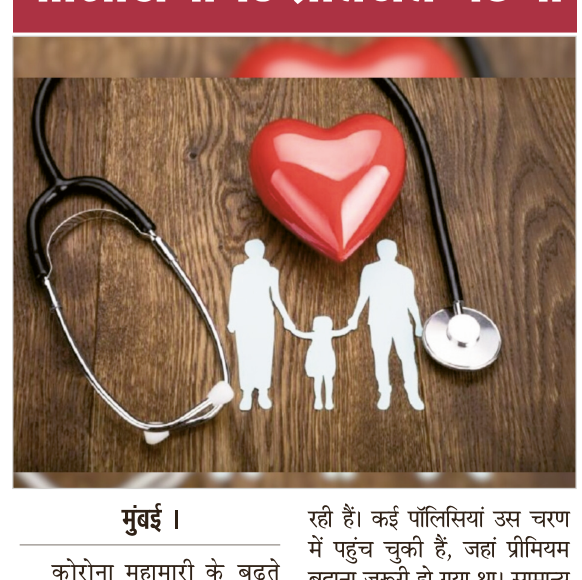

मुंबई ।

कोरोना महामारी के बढ़ते संकट को देख स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों के प्रीमियम भी चढ़ने लगे हैं।

कई नई और उन पॉलिसियों के प्रीमियम में 10-15 प्रतिशत का इजाफा देखा जा रहा है, जिनके नवीकरण की अवधि नजदीक आने वाली है। कई गैर-जीवन बीमा कंपनियां अपनी स्वास्थ्य पॉलिसियों पर प्रीमियम पहले ही बढ़ा चुकी हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान पिछले दो वर्षों में बीमा कंपनियों को कई भारी भरकम दावे निपटाने पड़े हैं। इतना ही नहीं स्वास्थ्य सेवाएं भी महंगी हो गई हैं, जिसे देखते हुए बीमा कंपनियां प्रीमियम में इजाफा कर रही हैं। कई पॉलिसियां उस चरण में पहुंच चुकी हैं, जहां प्रीमियम बढ़ाना जरूरी हो गया था। सामान्य बीमा परिषद के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2022 तक बीमा कंपनियों ने कोविड संबंधित स्वास्थ्य बीमा दावों के मद में 25,000 करोड़ रुपए रकम का भुगतान किया है। वित्त वर्ष 2021 के 7,900 करोड़ रुपए की तुलना में यह रकम तीन गुना अधिक है। पिछले वर्ष अप्रैल-मई में बड़ी संख्या में लोग कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर की चपेट में आए थे।

बीमा कंपनियां तब प्रीमियम बढ़ाती हैं, जब उनकी स्वास्थ्य पॉलिसियों पर नुकसान का अनुपात अधिकतम सीमा पार कर जाता है।

जीपीएल में 100 फीसदी हिस्सेदारी खरीद सकती है अदानी पोर्ट्स

नई दिल्ली।

देश के प्रमुख एकीकृत बंदरगाह एवं लॉजिस्टिक कंपनी अदानी पोर्ट्स एंड एसईजेड (एपीएसईजेड) के चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में गंगावरम पोर्ट लिमिटेड (जीपीएल) में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा कर सकती है। एपीएसईजेड ने बताया कि वर्तमान में एपीएसईजेड की जीपीएल में 41.9 प्रतिशत हिस्सेदारी है। पोर्ट से वित्त वर्ष 2022 में 30 एमएमटी कार्गो का परिचालन हुआ है। वित्त वर्ष 23 का लक्ष्य 40 एमएमटी से अधिक कार्गो का प्रबंधन करना है।

वर्तमान में 0.8 एमटीईयू की एक नई कंटेनर सुविधा शुरू हो रही है और जुलाई 2022 तक इसके पूरी होने की उम्मीद है। उसने बताया कि पहले से ही दो एमएमटी कंटेनर कार्गो प्रबंधन के लिए करार हो चुका है, जिसके वित्त वर्ष 2025 तक बढ़कर छह एमएमटी कंटेनर तक पहुंचने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 23 में नगरनार में राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) संयंत्र की शुरुआत, सेल, राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल), जेएसडब्ल्यू स्टील और जेएसपीएल से इस्पात के आयात-निर्यात में वृद्धि से पोर्ट के परिचालन को गति मिलेगी। साथ ही उत्तर भारत से गेहूं और आंध्र प्रदेश के गुंटूर इलाके से चावल, तंबाकू और मिर्च जैसे कृषि उत्पादों के निर्यात से भी समर्थन मिलेगा। कंपनी के मध्यम अवधि के दृष्टिकोण से आरआईएनएल का निजीकरण उसके लिए एक प्रमुख विकास उत्प्रेरक है। आरआईएनएल जीपीएल का एक प्रमुख ग्राहक है और बंदरगाह को इस्पात संयंत्र से सात एमएमटी कार्गो मिलता है, जो इसके कारोबार में 20 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है।

एयर इंडिया के टॉप मैनेजमेंट में किया गया बड़ा फेरबदल

मुंबई ।

सरकारी से टाटा ग्रुप की हुई विमानन कंपनी एयर इंडिया के प्रमुख मैनेजमेंट में बड़ा फेरबदल किया गया है। एयर इंडिया के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने निपुण अग्रवाल को चीफ कमर्शियल ऑफिसर और सुरेश दत्त त्रिपाठी को चीफ ह्यूमन रिसोर्स ऑफिसर नियुक्त किया। अग्रवाल जो टाटा संस में वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं वे एयर इंडिया के बड़ी अधिकारी मीनाक्षी मलिक की जगह लेंगे। वहीं 2012 से 2021 तक टाटा स्टील में ह्यूमन रिसोर्स के उपाध्यक्ष रहे त्रिपाठी अब एयर इंडिया में अमृता शरण का स्थान लेंगे। यह आदेश चंद्रशेखरन द्वारा जारी किया गया था जो टाटा संस के अध्यक्ष भी हैं। यहां ये भी उल्लेख किया गया है कि मीनाक्षी मलिक और अमृता शरण वर्तमान में चंद्रशेखरन की सलाहकार होंगी क्योंकि अभी तक टाटा समूह ने एयर इंडिया के सीईओ की नियुक्ति नहीं की है। आदेश में कहा गया है कि पहले

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में काम कर चुकेसत्या रामास्वामी को एयर इंडिया में चीफ डिजिटल एंड टेक्नोलॉजी ऑफिसर नियुक्त किया गया है। राजेश डोगरा को एयर इंडिया में हेड ऑफ कस्टमर एक्सपीरियंस एंड ग्राउंड हैंडलिंग के रूप में नियुक्त किया गया था। वहीं एयर इंडिया के बड़े अधिकारी आरएस संधू एयर इंडिया में चीफ ऑफ ऑपरेशंस के पद पर बने रहेंगे। एयर इंडिया के दूसरे दिग्गज अधिकारी विनोद हेजमादी चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर के रूप में कार्यभार संभालते रहेंगे। चंद्रशेखरन ने आदेश में कहा कि नियुक्त किए गए नए अधिकारी फंक्शनल और डिपार्टमेंट हेड के रूप में अपनी शक्तियों का प्रयोग कर सकेंगे। गौरतलब है कि सरकार ने प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के बाद पिछले साल 8 अक्टूबर को एयर इंडिया को टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी की सहायक कंपनी टैलेस प्राइवेट लिमिटेड को 18,000 करोड़ रुपए में बेच दिया।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में छाये स्पिनर

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के 2023 चक्र में अब तक तेज गेंदबाजों से स्पिनरों का प्रदर्शन बेहतर रहा है। इस बार डब्ल्यूटीसी 2023 चक्र में अब तक के शीर्ष पांच गेंदबाजों में से चार स्पिनर हैं। इसमें न्यूजीलैंड के लेफ्ट आर्म स्पिनर एजाज पटेल , पाकिस्तान के ऑफ ब्रेक स्पिनर साजिद खान ओर वेस्टइंडीज के केशव महाराज भी शामिल हैं। एजाज ने भारत दौरे में 10 विकेट लिए थे। वहीं इन गेंदबाजों में पाकिस्तान के ऑफ ब्रेक स्पिनर साजिद खान का 8 विकेट और दक्षिण अफ्रीकी लेफ्ट आर्म स्पिनर केशव महाराज के 7-7 विकेटों के दो आकर्षक स्पैल शामिल हैं। वहीं पाकिस्तानी ऑफ स्पिनर साजिद ने ढाका के शेर-ए-बंगला स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के आखिरी दिन 8 दिसंबर को पहली पारी में 8 विकेट लिए थे। उनके इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान ने यह मैच पारी और 8 रन से जीत लिया था। इसके अलावा केशव ने हाल ही में मार्च-अप्रैल में घर पर बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दोनों मैचों में शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन से टीम को बड़ी जीत दिलाई थी। उन्होंने पहले मैच की दूसरी पारी में 32 रन देकर 7 विकेट लिए थे और दक्षिण अफ्रीका ने यह मैच 220 रन से जीत लिया था।

आईपीएल में आज होगी सनराइजर्स और पंजाब किंग्स में टक्कर

दोपहर साढ़े तीन बजे शुरु होगा मैच

मुंबई ।

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में पंजाब किंग्स पर जीत के इरादे से उतरेगी। सनराइजर्स ने पिछले तीन मैचों में जीत हासिल की है और वह इस सिलसिले को बनाये रखना चाहेगी। दोनो ही टीमें इस मैच को जीतकर प्लेऑफ की दौड़ में बने रहना चाहेगी। सनराइजर्स की शुरुआत इस सत्र में अच्छी नहीं रही थी और उसे शुरुआती दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा था पर इसके बाद टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटन्स और कोलकाता नाइट राइडर्स को लगातारी तीन मेचों में हराकर लय हासिल कर ली। अब वह अपने प्रदर्शन में बनाये रखना चाहेगी। वहीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स को भी पिछले मैच में मुंबई इंडियंस पर जीत मिली थी जिससे उसका भी मनोबल बढ़ा हुआ है और ऐसे में वह जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेगी।

सनराइजर्स की परेशानी ये है कि अब तक उसे जीत दिलाने वाले बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और कप्तान केन विलियमसन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मुकाबले में नाकाम रहे थे। वहीं राहुल त्रिपाठी ने केकेआर के खिलाफ 71 रनों की अच्छी पारी खेली थी। ऐडन मार्कराम ने भी अच्छी बल्लेबाजी की थी। इसके अलावा टीम के पास निकोलस पूरन जैसा शानदार बल्लेबाज भी है। ऐसे में सनराइजर्सह की बल्लेबाजी मजबूत नजर आती है पर इस बार उसकी राह आसान नहीं होगी क्योंकि पंजाव का गेंदबाजी आक्रमण बेहद अच्छा है। टीम के पास तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा के अलावा युवा वैभव अरोड़ा और अर्शदीप सिंह हैं। पंजाब के लिए चिन्ता की बात स्पिनर राहुल चाहर की गेंदबाजी है, राहुल अब तक प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजी भी कम नहीं है उसके पास मार्को यानसन, टी नटराजन, भुवनेश्वर कुमार और उमरान मलिक जैसे गेंदबाज हैं। यानसन अपने कोण और विविधता के बाद पर पंजाब टीम के बल्लेबाजों की परेशानी बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा नटराजन और मलिक के साथ ही भुवनेश्वर कुमार भी अहम भूमिका निभाएंगे। वाशिंगटन सुंदर के नहीं होने से जगदीश सुचित ने कोलकाता के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है और अब वह अपना स्थान बनाये रखेंगे। पंजाब के लिये राहत की बात यह है कि उसके सलामी बल्लेबाज शिखर धवन फार्म में आ गये हैं। इसके बाद भी कप्तान मयंक अग्रवाल के ऊपर टीम को अच्छी शुरुआत देने की जिम्मेदारी होगी। मध्यक्रम में टीम के पास जॉनी बेयरस्टो, लियाम लिविंगस्टोन, और ओडियन स्मिथ जैसे बल्लेबाज हैं और इन्हें भी रन बनाने होंगे। कुल मिलाकर देखा जाये तो मुकाबला रोमांचक होना तय है।

बिली जीन किंग कप में भारत को मिली पहली जीत

अंताल्या ।

भारतीय महिला टेनिस टीम ने इंडोनेशिया को 2-1 से हराकर बिली जीन किंग कप एशिया/ओशिनिया ग्रुप एक मुकाबले में पहली जीत हासिल की है। भारत की महिला खिलाड़ी रुतुजा भोसले ने पहले एकल मैच में 1-0 की शुरुआती बढ़त बनाई और फिर इंडोनेशिया की बीट्राइस गुमुल्या को सीधे सेटों में 6-4, 6-1 से हराया। वहीं दूसरे मैच में भारत की ही शीर्ष रैंकिंग महिला एकल खिलाड़ी अंकिता रैना ने एल्डिला सुतजियादी को 6-1, 6-2 से हराकर भारत को इंडोनेशिया पर 2-0 की अच्छी बढ़त दिलाई। इसके बाद हालांकि अंतिम युगल मुकाबले में भारत की रिया भाटिया और सौम्या बाविसेट्टी की जोड़ी को जेसी रोम्पीज और एल्डिला सुतजियादी की जोडी ने तीन सेटों में 6-4, 7(9)-6(7), 2-6 से हरा दिया। इससे पहले भारत को अपने पहले दो मुकाबलों में चीन और जापान के हाथों 3-0 से हार का सामना करना पड़ा था। इंडोनेशिया पर जीत के साथ ही भारतीय टीम तीन मैचों में एक जीत के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं जापान और चीन अपने तीनों मुकाबलों में जीत के साथ ही नंबर एक स्थान पर आ गये हैं। वहीं इंडोनेशिया और न्यूजीलैंड पांचवें और छठे स्थान पर है।

मेहुली घोष ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल ट्रायल जीता

नई दिल्ली ।

पश्चिम बंगाल की मेहुली घोष ने राष्ट्रीय चयन ट्रायल में कर्नाटक की तिलोत्तमा सेन को हराकर महिलाओं की दस मीटर एयर राइफल टी-3 (तीसरा ट्रायल) जीता। मेहुली ने स्वर्ण पदक का मुकाबला 16 . 8 से जीता। ओलिम्पियन इलावेनिल वालारिवन को कांस्य पदक मिला जो गुजरात के लिये खेलती हैं। मेहुली क्वालीफिकेशन दौर में छठे स्थान पर थी जबकि तिलोत्तमा सातवें स्थान पर थी। अंतिम आठ चरण में मेहुली शीर्ष पर और तिलोत्तमा दूसरे स्थान पर रही जबकि इलावेनिल तीसरे स्थान पर रही। जूनियर वर्ग में हिमाचल प्रदेश की जीना खिट्टा ने हरियाणा की रमिता को हराकर स्वर्ण जीता। युवा वर्ग में हरियाणा की नैनसी ने महाराष्ट्र की ईशान टकसाले को हराया।

आईपीएल में आज होगा टाइटंस ओर सीएसके टीम के बीच मुकाबला

पुणे ।

आईपीएल में रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला नई टीम गुजरात टाइटंस से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। सीएसके की टीम के लिए यह सत्र अच्छा नहीं रहा है और अब तक उसे पांच में से केवल एक मैच में जीत मिली है। वहीं गुजरात को अब तक एक बार ही हार का सामना करना पड़ा है। दोनो ही टीमों की कप्तानी ऑलराउंडर खिलाड़ियों के पास है। सीएसके की कप्तानी रविन्द्र जडेजा कर रहे हैं जबकि गुजरात की हार्दिक पंड्या। ऐसे में दोनो का ही लक्ष्य जीत दर्ज कर अपने कौशल को दिखाना होगा। गुजरात टाइटन्स को अब तक एकमात्र हार सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हालांकि टीम ने राजस्थान रॉयल्स पर मिली जीत से बाद अच्छी वापसी की है। जडेजा को हालांकि टीम के साथ कठिन दौर का सामना करना पड़ा जिसमें टीम ने अपने पहले चार मैच खो दिये थे पर इसके बाद उसे आरसीबी पर एक जीत मिली है। सीएसके टीम की गेंदबाजी भी कमजोर साबित हुई है जिससे उसकी परेशानियां बढ़ सकती हैं। सीएसके ने पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था और इस दौरान महीश तीक्षणा और कप्तान जडेजा की जोड़ी ने सात विकेट लिए थे पर ऑलराउंडर दीपक चाहर के बाहर होने से टीम की गेंदबाजी कमजोर हुई है। चाहर अभी तक अपनी चोट से उबर नहीं पाये हैं।

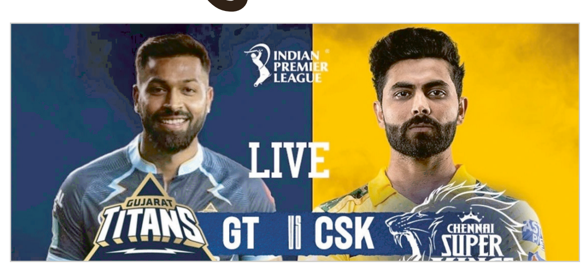

क्रिस जोर्डन और ड्वेन ब्रावो ने अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले मैच में ब्रावो ने काफी रन दे दिये। वहीं दूसरी ओर गुजरात टाइटन्स की गेंदबाजी काफी प्रभावी है जिसका सामना करना सीएसके टीम के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा। गुजरात के पास लॉकी फर्ग्यूसन , गेंदबाज मोहम्मद शमी जैसे तेज गेंदबाज हैं। कप्तान पंड्या ने भी अब तक इस सत्र में अच्छी गेंदबाजी की है। इसके अलावा टीम के पास स्टार स्पिनर राशिद खान भी हैं हालांकि टीम की बल्लेबाजी कमजोर है और इसके लिए वह युवा शुभमन गिल , मैथ्यू वेड , डेविड मिलर और औ पंड्या पर आधारित रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

दीपक चाहर की जगह रैना को शामिल कर सकती है सीएसके

मुम्बई । ऑलराउंडर दीपक चाहर के आईपीएल से बाहर होने के बाद अनुभवी खिलाड़ी सुरेश रैना की एक बार फिर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम में वापसी हो सकती है। सीएसके ने तेज गेंदबाज चाहर को 14 करोड़ रुपये में टीम के साथ जोड़ा था पर अब वह चोटिल होने के कारण आईपीएल से ही बाहर हो गये हैं। ऐसे में अब सीएसके चाहर के विकल्प के तौर पर रैना को जगह दे सकता है। रैना सीएसके की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार रैना की टीम में वापसी हो सकती है। उनके और फ्रेंचाइजी प्रबंधन के बीच बातचीत जारी है। इसकी कभी भी घोषणा हो सकती है। रैना फ्रेंचाइजी के सबसे सफल बल्लेबाज हैं हालांकि, पिछले सत्र में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था , इस कारण टीम ने उन्हें इस बार बरकरार नहीं रखा था। आईपीएल-2022 के लिए हुई मेगा नीमाली में रैना को सीएसके सहित किसी भी टीम ने नहीं खरीदा था। इसके बाद वह हिंदी कॉमेंट्री से जुड़ गए। वह फिलहाल आईपीएल मैचों की कॉमेंट्री कर कर रहे हैं। रैना ने सीएसके की ओर से अब तक 200 मैच खेलते हुए 33.10 के औसत से 5529 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 2 शतक और 38 अर्धशतक लगाये हैं जबकि पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के नाम 219 मैचों में 4713 रन दर्ज हैं।

एएफसी चैंपियन्स लीग में मुंबई सिटी को मिली दूसरी हार

रियाद । मुंबई सिटी को एएफसी चैंपियन्स लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के ग्रुप बी के अपने मैच में अल जजीरा टीम ने 1-0 से हरा दिया। इसी के साथ ही इस प्रतियोगिता में मुम्बई को दूसरी हार मिली है। मुम्बई ने अब तक कुल तीन मैच खेले हैं। इससे पहले उसे अल शबाद क्लब से 0-3 से हार झेलनी पड़ी भी। मबखोत के 40वें मिनट में किए गए गोल से अल जजीरा टीम को बढ़त मिली जो अंत तक जारी रही। संयुक्त अरब अमीरात के क्लब अल जजीरा ने पहले हॉफ में ही अपना शिकंजा कस दिया। अधिकांश समय गेंद उसके नियंत्रण में रही पर वह गोल दागने के अधिक अवसर नहीं बना पायी। दूसरी ओर एक गोल से पिछड़ने के बाद मुम्बई ने वापसी के कई प्रयास किये पर उसे सफलता नहीं मिली।मुंबई को शुरूआत में ही झटका लगा जब उसके डिफेंडर अमय रनावडे को नौवें मिनट में घायल होने के बाद बाहर जाना पड़ा। इसके बाद उनकी जगह मेहताब सिंह को मैदान में भेजा गया।

अपनी गेंदबाजी पर बोले उमेश- मुझे किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं

मुम्बई ।

पिछले दो आईपीएल में सिर्फ दो मैच खेलने वाले तेज़ गेंदबाज़ उमेश यादव ने इस सीज़न बेहतरीन वापसी की है और अपने आप को कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम में स्थापित किया है। उमेश को लगता है कि उन्हें दूसरों से अधिक ख़ुद को साबित करने की ज़रूरत थी कि उनके पास क्षमता है और वह टी20 में भी बेहतर कर सकते हैं। उन्होंने इस सीज़न में यह क्षमता दिखाई और अब तक वह कोलकाता के लिए सर्वाधिक विकेट (10) लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने इस सीज़न में पावरप्ले में विकेट लिए हैं, जो नई गेंद को दोनों तरफ़ स्विंग करवाने की उनकी क्षमता को दर्शाता है। उमेश ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मुझे किसी को साबित करने की जरूरत है। हां, लेकिन मुझे ख़ुद को साबित करना था कि मेरे अंदर यह क्षमता है और मैं अपने आप को और बेहतर कर सकता हूं। मैं अपने अंदर बचे क्रिकेट के द्वारा अपनी टीम और अपने देश की सेवा करना चाहता हूं। इस साल की नीलामी उमेश के लिए अच्छी नहीं रही थी। पहले दो दौर की नीलामी में उन्हें किसी भी फ़्रैंचाइज़ी ने नहीं खरीदा। हालांकि अंतिम दौर में उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स ने उनके आधार मूल्य दो करोड़ रुपये में खरीद लिया। यह उमेश के लिए एक तरह से घर-वापसी जैसा था। वह इस टीम के लिए इससे पहले 47 मैच खेल चुके थे। वह 2014 की आईपीएल जीत के दौरान भी केकेआर का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि जब आप दो-तीन राउंड में नहीं बिक पाते हैं, तो आपको नहीं पता होता है कि आगे क्या होने वाला है। पहले राउंड में मेरे ग्रुप के सभी तेज गेंदबाज बिक गए थे, सिर्फ मैं ही बाक़ी था। तब मुझे लगा था कि शायद मुझे इस सीज़न में खेलने का मौक़ा नहीं मिलेगा। लेकिन फिर मुझे मेरी पुरानी टीम ने खरीदा, जिनके साथ मेरा पुराना अनुभव बहुत अच्छा था।

कई भाषाएं जानती है सेरेना

न्यूयार्क ।

अमेरिकी महिला टेनिस स्टार सेरेना विलियम्स अपने शानदार खेल के लिए जानी जाती हैं। सेरेना की यही एक खूबी नहीं है , टेनिस कोर्ट पर अपने तेज शॉट के लिए लोकप्रिय यह खिलाड़ी पांच भाषाएं भी जानती है। सेरेना टेनिस खेलने के कारण पूरी दुनिया घूमी हैं। ऐसे में उन्हें अन्य भाषाओं को सीखने का भी अवसर मिला है। वह जर्मन से लेकर चाइनीज भाषा भी बोल लेती हैं। सेरेना ने विश्व भर में घूमने के दौरान होने वाले लाभ पर कहा कि जब आपको ऐसे देशों में जाने का मौका मिलता है जिसकी संस्कृति विशाल होती है तो आपके अंदर उसको जानने की उत्सुकता रहती है। इसी उत्सुकता के कारण मैंने कई भाषाएं सीखीं। मैं अमेरिका में पली-पढ़ी। स्कूल में ही मैंने जर्मन और फ्रैंच भाषा सीख ली थी। जब बाहर निकली तो मैंने इटालियन और चाइनीस भाषा सीखने को तरजीह दी। मैं घर में आमतौर पर अंग्रेजी बोलती हूं लेकिन उन्हें इटालियन भाषा बोलना सबसे ज्यादा पसंद है।

वॉन, हुसैन और एथरटन बोले, स्टोक्स को बनाये टेस्ट कप्तान

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन , नासिर हुसैन और पूर्व कप्तान माइकल एथरटन ने कहा है कि टीम के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को टेस्ट टीम की कप्तानी मिलनी चाहिये। जो रुट के पद छोड़ने के बाद से इस पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार की तलाश की जा रही है। वॉन ओर हुसैन के अनुसार स्टोक्स के पास उस प्रकार का कप्तानी कौशल है जिसकी जरुरत होती है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज श्रृंखला के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में भी मिली हार के बाद रुट पर दबाव बढ़ता जा रहा था। इसके साथ ही उनका अपन प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा था। वॉन ने कहा कि मुझे स्टोक्स के अलावा ऐसा कोई और खिलाड़ी नहीं दिखता जिसकी टीम में अभी जगह पक्की हो और वह कप्तान पद की जिम्मेदारी उठा सके। स्टोक्स के रूप में आपके पास ऐसा खिलाड़ी है जिसके पास क्रिकेट के लिए जरूरी स्मार्ट दिमाग है। उसे अगर मौका मिलता है तो वह पूरी तरह समर्पित होगा। उसे साथी खिलाड़ियों का सम्मान भी हासिल है। उन्होंने कहा कि मेरे लिए इस पद के लिए साफ तौर पर स्टोक्स पहली पसंद हैं। स्टोक्स ने एक क्रिकेटर के रूप में कुछ अभूतपूर्व चीजें की हैं और उनके पास एक बहुत ही स्मार्ट क्रिकेट दिमाग है। उन्होंने इसे विश्व कप फाइनल में दिखाया है, उन्होंने हेडिंग्ले में यादगार प्रदर्शन किया है। उन्होंने रूट की गैरमौजूदगी में कई बार टीम का नेतृत्व किया है।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज में भारत सहित आठ देशों की टीमें भाग लेंगी

मुंबई ।

देश और दुनिया भर में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुकता जगाने के लिए आयोजित की जा रही टी-20 क्रिकेट लीग (रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज) का दूसरा संस्करण चार जून से शुरु होगा। यह सीरीज तीन जुलाई तक तीन स्थानों लखनऊ, इंदौर और जोधपुर में खेली जाएगी और इसमें मेजबान भारत सहित आठ देशों ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, बंगलादेश, श्रीलंका की टीमें भाग लेंगी। न्यूजीलैंड लीजेंड्स इस सत्र से जुड़ी नई टीम है। वह इस 30 दिवसीय आयोजन के दौरान भारत, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, वेस्ट इंडीज, दक्षिण अफ्रीका, बंगलादेश और इंग्लैंड लीजेंड्स के साथ जुड़ेगी।

यह टूर्नामेंट भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा समर्थित है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इसको लेकर कहा, 'सड़क सुरक्षा विश्व श्रृंखला क्रिकेट के माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुकता पैदा करने के लिए एक बहुत अच्छी पहल है। हम चाहते हैं कि देश में हर व्यक्ति जागरुक हो और सड़क पर चलते वक्त हर नियम और कानून का पालन करे। ऐसा सुनिश्चित करने के लिए हमें लोगों में जागरुकता पैदा करनी होगी। मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह श्रृंखला भारतीय सड़कों पर जीवन बचाने के लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम होगी।

वहीं केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने आयोजन की सफलता की उम्मीद करते हुए कहा, 'मुझे भरोसा है कि रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देगी और सड़क तथा सड़क सुरक्षा पर लोगों के व्यवहार के प्रति उनकी मानसिकता को प्रभावित करने के लिए एक आदर्श मंच के रूप में काम करेगी।

भविष्य के लिए तैयार कर रहे टीम : सूर्यकुमार

मुंबई ।

मुम्बई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने प्रशंसकों से कहा है कि टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। इसी का वह उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी है। सूर्यकुमार के अनुसार आने वाले दिनों में बेहतर परिणाम आयेंगे क्योंकि भविष्य को देखते हुए टीम तैयार की जा रही है। मुंबई इंडियंस आईपीएल के इस सत्र में अपने शुरूआती सभी पांच मैच हारने के कारण प्लेऑफ की दौड़ से भी दूर होती नजर आ रही है। इसका कारण यह है कि अब उसे प्लेऑफ में जगह बनाने बचे हुए नौ मैचों में से आठ जीतने होंगे जो उसके वर्तमान प्रदर्शन को देखते हुए संभव नजर नहीं आता है। इस बल्लेबाज ने कहा, 'जैसा कि आपने नीलामी में देखा, हम अगले तीन-चार वर्षों के लिए नई टीम बना रहे हैं, अगले कुछ वर्षों में आपको इस टीम में कुछ शानदार खिलाड़ी देखने को मिलेंगे।% इसी के तहत पहली बार शामिल दक्षिण अफ्रीका के युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस और युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने इस बार अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींच है। उन्होंने कहा, 'काफी चीजें सकारात्मक रहीं, आप डेवाल्ड और तिलक तथा अन्य कई नये चेहरों को देख सकते हो। आईपीएल की मेगा नीलामी में मुंबई इंडियंस ने इंग्लैंड के स्टार तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को खरीदा था पर वह पफिट नहीं होने के कारण इस सत्र में नहीं खेल पाये हैं। इससे भी टीम को नुकसान हुआ है। ऐसे में टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर जरुरत से ज्यादा भार आ गया। इसके अलावा उन्हें अन्य गेंदबाजों डेनियल सैम्स, टाइमल मिल्स, बासिल थम्पी और जयदेव उनादकट से सहयोग नहीं मिला है।

कुछ ऐसी चीजें जो हमारे जीवन में इस तरह से घुल-मिल गई हैं कि पता ही नहीं चलता कि उसका नाता भारत से नहीं है। कुछ ऐसी चीजें जो हमारे जीवन में इस तरह से घुल-मिल गई हैं कि पता ही नहीं चलता कि उसका नाता भारत से नहीं है। क्या तुम्हें पता है कि समोसे जैसी फेमस चीज जो तुम अक्सर खाया करते हो उसका ऑरिजिन भारत नहीं है। ऐसी ही कुछ और चीजें जो देश में कहीं और से आईं लेकिन इस देश का हिस्सा बन गईं।

भारत ऑरिजिन की नहीं है, देश का हिस्सा बनी ये चीजें

समोसा

यह ट्रायंगल तो सारे बच्चों का प्यारा है या यूं कहें कि बड़ों के मुंह में भी इसको देखकर पानी आ जाता है। क्या तुम्हें पता है कि समोसा भारत की उपज नहीं है। प्राचीन काल में सेंट्रल एशिया के जिन रास्तों से व्यापार हुआ करता था वहां से होता हुआ यह भारत पहुंचा। दरअसल इस ट्रायंगल स्नैक्स को बनाना सबसे आसान होता है और रात को मुसाफिर जब रास्तों में हॉल्ट करते हुए आते थे तो समोसों को कैंपफायर के आस-पास भी तैयार कर लिया करते थे।

आलू

सब्जियों का राजा माना जाने वाला आलू सब्जियों में बच्चों की पहली पसंद है। इसके बिना तो सब्जी या किसी स्नैक की कल्पना करना ही थोड़ा मुश्किल लगता है! लेकिन क्या तुम्हें पता है कि आलू मात्र चार सौ साल पहले ही हमारे देश में आया और यहां तक कि टमाटर का इस्तेमाल भी देश में पहली बार 19वीं शताब्दी में किया गया था।

क्रिकेट

इंग्लैंड में जन्मा यह खेल आज भारत में गली-गली का खेला जाता है। यहां तक

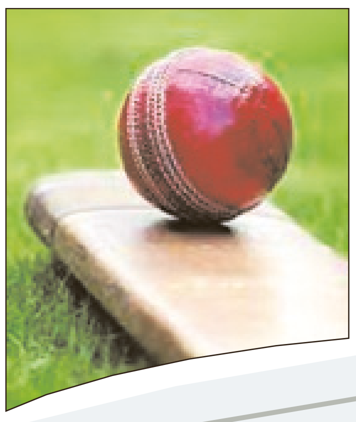

कि आईसीसी की इनकम में भारत की कमाई की भागीदारी 70 से 80 प्रतिशत तक है। देश में क्रिकेट सबसे पॉपुलर खेलों में से एक है।

राजमा

पंजाबी डिशेज की लिस्ट राजमा के बिना अधूरी मानी जाती है। बड़े चाव से राजमा, चावल खाने वालों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि यह अपने देश में नहीं बल्कि कोलोनियल अमेरिका में पैदा हुआ है। किडनी बीन्स यानी राजमा को 8000 साल पहले एकेडियन किसानों ने लुसियाना में उपजाया था।

हैंड नीटिंग

सर्दियों के मौसम में अपने घरों में भी तुमने मम्मी या दादी, नानी को हाथों से बुनाई करते हुए देखा होगा। जो कई तरह के स्वेटर तुम्हारे लिए तैयार करती होंगी।

तुम्हें लगता होगा कि यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी देश में आगे बढ़ी होगी लेकिन ऐसा नहीं है, क्योंकि हाथों से बुनाई का काम अपने देश की कला नहीं बल्कि इजिप्ट से यहां आया था।

सिल्क

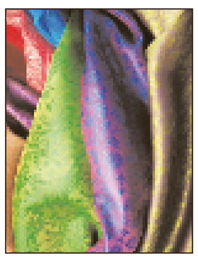

तुम्हारी मम्मी के पास भी सिल्क की साड़ियां जरूर होंगी? क्या तुम्हें पता है कि यह सिल्क हमारे देश की नहीं है, बल्कि कई सदियों पहले चीन के व्यापारी इसे यहां लाए थे। हमारे यहां मिलने वाले सिल्क वॉर्म वही पहले चाइनीज पेयर थे जिनसे सिल्कवॉर्म की संख्या बढ़ाई गई।

पतंग

दो हजार साल पहले पतंगों को चीन में तैयार किया गया था। अब तो भारत में गांव के बच्चों के खेल का यह हिस्सा बन गया है तो शहरों में व्रत-त्योहार के मौके पर लोग रंग-बिरंगी पतंगें उड़ाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं।

चाय

सुबह की शुरुआत तुम्हारे घर में भी चाय की चुस्कियों के साथ होती होगी। लेकिन देश का मुख्य पेय चाय भी चीन से यहां पहुंचा है।

कागज पर उतारो पत्तियां

आजकल वॉटर कलर डेकोरेशन और डिजाइन में इस्तेमाल हो रहा है लेकिन हम इस वॉटरकलर को पत्तियां बनाने के लिए प्रयोग करेंगे। इससे तैयार पत्तियां एक बेहतरीन आर्ट वर्क की तरह नजर आती हैं।

किन चीजों की होगी जरूरत

- वॉटरकलर सेट
- विभिन्न प्रकार के वॉटर कलर ब्रशेस
- गार्डन से तोड़ी हुई अलग-अलग प्रकार की पत्तियां

बनाओ कलर पैलेट

सबसे पहले तो अपना एक कलर पैलेट तैयार करो और उसकी टेस्टिंग पेपर के अलग-अलग टुकड़ों पर करो। जब तक तुमको अपना पसंदीदा शेड ना मिल जाए तब तक पैलेट तैयार करते रहो ताकि जब तुम पत्तियों को उससे ड्रॉ करो तो वो बिल्कुल असली नजर आएं।

कौन-कौन से कलर

परमानेंट सैप ग्रीन, ग्रीन ब्लू शेड, रॉ एंबर, ब्लू ग्रीन, बर्न्ट सिएना। बाकी शेड अन्य कलर्स के मिक्सचर से तैयार किए जा सकते हैं।

डूडलिंग करना तो हर किसी को भाता है लेकिन क्या कभी सीरियस पेंटिंग के बारे सोचा है। अरे तुम्हें पेंटर बनाने की बात नहीं कर रहे, यदि तुम्हें भी रंगों से प्यार है और कुछ न कुछ बनाते रहना तुम्हारी हॉबी है तो क्यों ना कुछ क्रिएटिव किया जाए। आओ मिलकर वॉटर कलर के जरिए लीविंग लीव्स को कागज पर उतारें, सोच में पड़ गए! चलो इसे करके देखते हैं।

इस तरह दो अपनी पत्तियों को आकार

- सबसे पहले लाइट स्केच तैयार करो और फिर इसे भीगे ब्रश से अंदर की ओर भरो। इससे तुम्हें कलर के फर्स्ट लेयर को फैलाने में मदद मिलेगी।
- तुमने ग्रीन का जो शेड तैयार किया है उसका सबसे हल्का शेड प्रयोग करो।
- पहली लेयर के सूख जाने के बाद दूसरी लेयर बनाओ जो सबसे हल्के शेड की हो। अब डार्क शेड की दूसरी लेयर लगाओ और उसे फिर सूखने दो।
- पेपर को थोड़ा तिरछा कर दो और पेंट को पेंट की हुई पत्ती के टिप तक पहुंचने दो। इसके सूख जाने के बाद ग्रीन की एक और लेयर इस पर लगाओ।
- वॉटर कलर में यह चीज स्पष्ट नजर आती है इसमें जितने लेयर्स में कलर लगाए जाते हैं इमेज उतनी ही क्लियर नजर आने लगती है।
- अपने ब्रश को पानी में डुबाकर उसे पत्ती के ऊपर फिराओ। जब यह हल्का गीला रहे तो उसके ऊपर रॉ एंबर कलर का हल्का शेड पत्ती के लाइट साइड पर लगाओ।
- कलर जब हल्के गीले हों तो अपने ब्रश पर बर्न्ट सिएना कलर को पत्ती के ऊपर टपकाओ। तुम देखोगे कि कलर्स एक-दूसरे पर चढ़े हुए नजर आएंगे।
- अब पत्ती के अलग-अलग हिस्से पर कलर टपकाओ।
- भीगे हुए पतले ब्रश से पत्ती पर वेन्स बनाओ और साथ ही पत्तियों की डिटेल उस पर ड्रॉ करो।
- ऐसा तुम कई पत्तियों के साथ कर सकते हो।

कैसे बनते हैं स्नोफ्लैक्स?

उन जगहों पर जहां चारों ओर बर्फ की चादर बिछी हो और हर तरफ सिर्फ एक ही रंग नजर आता हो..सफेद। इन्हें कहते हैं स्नोफ्लेक्स।

उन जगहों पर जहां चारों ओर बर्फ की चादर बिछी हो और हर तरफ सिर्फ एक ही रंग नजर आता होसफेद। इस बीच कहीं-कहीं कुदरत की ऐसी कलाकारी नजर आती है कि उसे कैमरे में कैद किए बिना नहीं रहा जा सकता। ये हैं स्नोफ्लेक्स या बर्फ की पपड़ी। स्नोफ्लैक्स की सबसे अनोखी बात ये है कि इनमें से किसी का भी आकार एक-दूसरे से मेल नहीं खाता है। हरेक आकृति यूनिक होती है। इनको देखकर ऐसा जान पड़ता है कि किसी ने क्रिस्टल के जरिए सुंदर आकृति तैयार की है लेकिन ये तो प्रकृति की कारीगरी है। इनके यूनीक शेप के कारण ही दुनियाभर के फोटोग्राफर्स बेस्ट स्नोफ्लैक्स की तस्वीरें लेने की तैयारी में रहते हैं।

कुदरत की कारीगरी

स्नोफ्लैक्स बनने की शुरुआत छोटे-छोटे डस्ट पार्टिकल्स या पॉलेन पार्टिकल्स के वॉटर वेपर के संपर्क में आने से होती है। ये वॉटर वेपर इन पार्टिकल्स के ऊपर इकट्ठी हो जाती हैं और जब ठंडे वातावरण में ये जमती हैं तो छोटे-छोटे आइस क्रिस्टल जैसे नजर आने लगते हैं। ये छोटे-छोटे क्रिस्टल सीड्स की तरह होते हैं जिनसे स्नोफ्लैक्स का जन्म होता है। तुम्हें यह जानकर आश्चर्य होगा कि ये छोटे आइस क्रिस्टल नेचुरली अरेंज होकर हेक्सागोनल यानी सिक्स साइडेड स्ट्रक्चर बना लेते हैं। इस तरह के सिक्स साइडेड आइस क्रिस्टल ही 'स्नोफ्लैक्स'' कहलाते हैं। चूंकि स्नोफ्लैक्स के आस-पास की हवा से ये अधिक वजनदार होते हैं इसलिए कुछ समय में अपने-आप गिरना भी शुरू हो जाते हैं।

हर स्नोफ्लै है डिफरेंट

यूं सारे स्नोफ्लैक्स हेक्सागॉनल होते हैं लेकिन इनकी जियोमैट्री अलग-अलग होती है। डिफरेंट टेम्परेचर और हृयूमिड कंडीशन से होकर जब स्नोफ्लैक्स नीचे गिरते हैं तो उनके शेप भी डिफरेंट हो जाते हैं। किसी में नुकीले आर्म्स निकले रहते हैं तो किसी में बहुत ही चौड़े। स्नोफ्लैक्स का निर्माण पृथ्वी पर काफी ऊंचाई पर होता है इसलिए जमीन पर इसका स्नो के रूप में नीचे गिरना हर बार हो ऐसा नहीं है। यह तभी हो सकता है जब हवा का टेम्परेचर फ्रीजिंग से कम हो।

केक की टॉपिंग पर स्नोफ्लैक्स

स्नोफ्लैक्स के अलग-अलग मजेदार शेप्स के कारण कई पार्टीज का इसे हिस्सा बनाया जा रहा है, वो भी केक को सजाने के लिए। अब तो स्नोफ्लैक्स के शेप को आर्टिफिशियल रूप से तैयार किया जाने लगा है। लोग अपनी पसंद के अनुसार डिफरेंट शेप वाले स्नोफ्लैक्स से भरी बोटल खरीदते हैं और केक को और भी मजेदार ढंग से प्रेजेंट करते हैं।

तीन सेर चावल

पुराने जमाने की बात है। किसी गांव में मोहन नाम का एक लड़का रहता था। वह बहुत शैतान था। हर दिन उसकी शिकायतें उसके माता-पिता को सुनने को मिलतीं।

पिता ने मोहन को विद्यालय भेज दिया, लेकिन उसकी शरारतों से शिक्षक भी बहुत दुखी हो गए। उस पर अपने शिक्षक की बातों का भी कोई असर नहीं होता था।

मोहन कई बार बच्चों की सीट के नीचे चींटियां छोड़ देता, जिससे वे ठीक से पढ़ न पाते। बच्चे उसके डर से उसकी शरारतों के बारे में अपने शिक्षकों से भी शिकायत न करते। एक दिन तंग आकर मास्टरजी ने उसे विद्यालय से निकाल दिया।

उस जमाने में जंगल अधिक थे। चारों ओर पेड़-पौधों की भरमार थी। अब मोहन जंगल में जाकर पेड़-पौधों का ध्यान करता, पानी देकर सींचता। घर में उसका मन नहीं लगता था। उसकी चिंता में मां परेशान रहतीं।

मोहन के गांव में एक बूढ़ा आदमी भीख मांगने आता था। वह उसे भी बहुत तंग करता। कभी उसका थैला छीनकर उसमें रखी रोटी निकालकर जानवरों को खिला देता, तो कभी बूढ़े पर पानी डाल देता। लेकिन बूढ़ा उसके गांव में जरूर आता। लोग उससे पूछते कि इतना तंग होने के बाद भी वह इस गांव में भीख मांगने क्यों आता है? वह सबको एक ही उत्तर देता, मोहन बच्चा है। बच्चे शरारत नहीं करेंगे, तो क्या हम बड़े लोग करेंगे? उसकी बात सुनकर लोग चुप हो जाते।

इस प्रकार कई महीने बीत गए। एक दिन मोहन किसी गांव से आ रहा था। उसे घर पहुंचने की जल्दी थी। किसी किसान ने अपनी फसल की रक्षा के लिए नागफनी की बाड़ लगा रखी थी। रास्ते में नागफनी के कांटे गिरे हुए थे। उसकी नजर उन कांटों पर पड़ी। उसने सोचा कि वह एक-दो नागफनियों को लेकर रास्ते पर डाल दे, तो बड़ा मजा आएगा। उसने दो नागफनियों को उठा लिया और उन्हें घास के नीचे छिपा दिया। फिर घर चला आया।

दो-तीन दिन बीत गए। आज वह स्वयं उसी रास्ते से जा रहा था। उसी रास्ते से बूढ़ा भिखारी भी आ रहा था। मोहन को शरारत सूझी। उसने कहा, जरा थैला दिखाना। भिखारी ने उसे थैला दे दिया। उसमें एक फटी धोती थी। दो रोटियां भी थीं। वह थैले को लेकर उछालने लगा कि अब वह थैला नहीं देगा।

भिखारी उसके करीब आता, तो वह दौड़कर थोड़ी दूर भाग जाता।

इसी भाग-दौड़ में अचानक सूखी नागफनी पर मोहन का पांव पड़ गया। उसके पूरे तलवे में कांटे चुभ गए। वह अचानक एक ओर लुढ़क गया। थैला उसके हाथ से छूट गया। भिखारी मोहन के पास आया। वहां उसने अपनी लाठी से घास हटाई, तो उसे एक और नागफनी नजर आई। उसने उसे भी डंडे से दूर हटा दिया और मोहन के पास बैठकर पांव से कांटे निकालने लगा।

भिखारी ने मोहन के पांव से काफी कांटे निकाल दिए। फिर भी कुछ कांटे उसके पांव में चुभे ही रह गए। भिखारी ने उसे सहारा देकर खड़ा किया। मोहन ने कहा, मैं घर नहीं जाऊंगा। छाया में बैठकर तलवे के सारे कांटे निकालूंगा, तब घर लौटूंगा।

भिखारी ने कहा, यदि तुम मेरी झोंपड़ी तक चलो, तो मैं तलवे के सारे कांटे निकाल दूंगा। ऐसा लेप लगा दूंगा कि तुम्हारा पांव जल्दी ठीक हो जाएगा। मोहन तैयार हो गया।

भिखारी उसे अपने कंधे का सहारा देकर, झोंपड़ी तक ले आया। फर्श पर एक फटी-पुरानी दरी और कंबल का टुकड़ा बिछा हुआ था। उसी पर उसने मोहन को लिटाया। पानी गरम कर उसका पांव धोया। फिर कांटे निकालकर पैर पर जड़ी-बूटी का लेप कर दिया। मोहन को लेप से बहुत राहत मिली और वह सो गया।

भिखारी ने अपने थैले से भीख में मिले चावल निकाले और खिचड़ी बनाई। फिर गांव जाकर दूध ले आया। उसने मोहन को खिचड़ी खिलाकर पीने के लिए दूध गरम करके दिया। मोहन को अब उस भिखारी को बुड्ढा कहने में शर्म आई। उसने भिखारी को 'दादा' कहकर पुकारा। दादा शब्द सुनकर भिखारी की आंखों से आंसू झरने लगे। मोहन ने चकित होकर पूछा, तुम रो क्यों रहे हो?

नहीं बेटा, कोई बात नहीं है। मैं तीस वर्षों से यहां अकेला पड़ा हूं। तुमने मुझे दादा कहा, तो मेरा दिल भर आया। भिखारी बोला।

नहीं दादा, अब तुम्हें भीख मांगने की जरूरत नहीं होगी। मैं तुम्हें खिलाऊंगा। मोहन बोला।

भिखारी हंसकर चुप हो गया। शाम होने जा रही थी। भिखारी ने उसके पांव का लेप गरम पानी से धो दिया। अब उसके पांव में एक भी कांटा नहीं था। इसके बाद भिखारी उसे गांव तक छोड़ने आया। मोहन दौड़कर घर गया और रोटी तथा सब्जी लेकर आया। कहा, दादा, इसे रात में खाना। मैं कल सुबह आऊंगा। भिखारी घर लौट आया। वह सोच रहा था कि मोहन कितना अच्छा लड़का है।

मोहन दूसरे दिन उठा और एक किसान से बोला, यदि आपको मजदूर की जरूरत हो, तो मैं काम करने के लिए तैयार हूं। किसान को एक मजदूर की जरूरत तो थी, मगर वह मोहन को एक शरारती बच्चे के रूप में जानता था। वह मोहन से बोला, तुम्हें शरारत से फुरसत मिलेगी, तभी तो काम करोगे। मुझसे आज काम लेकर देखो चाचा, तब पता चलेगा।

ठीक है, चलो काम करो। किसान बोला।

मोहन ने दिन भर मेहनत से काम किया। बदले हुए मोहन को देखकर किसान बहुत चकित था। उसने मोहन को तीन सेर चावल मजदूरी में दिए।

मोहन चावल लेकर भिखारी की झोंपड़ी में जा पहुंचा। भिखारी खाना बनाने की तैयारी कर रहा था। उसने जब चावल देखे, तो बोला, मोहन बेटा! ये ले जाकर अपनी मां को दो। मेरा गुजारा तो भगवान चला ही रहा है।

नहीं दादा! ये चावल तुम रखो। ये मैंने दिन भर मजदूरी करके कमाए हैं। तुम नहीं रखोगे, तो मैं कल से मजदूरी नहीं करूंगा और शरारतें करने लगूंगा।

उस दिन से मोहन बहुत बदल गया। अब वह हर एक की मदद करने की कोशिश करता। गांव के सब लोग उसकी खूब तारीफ करते।

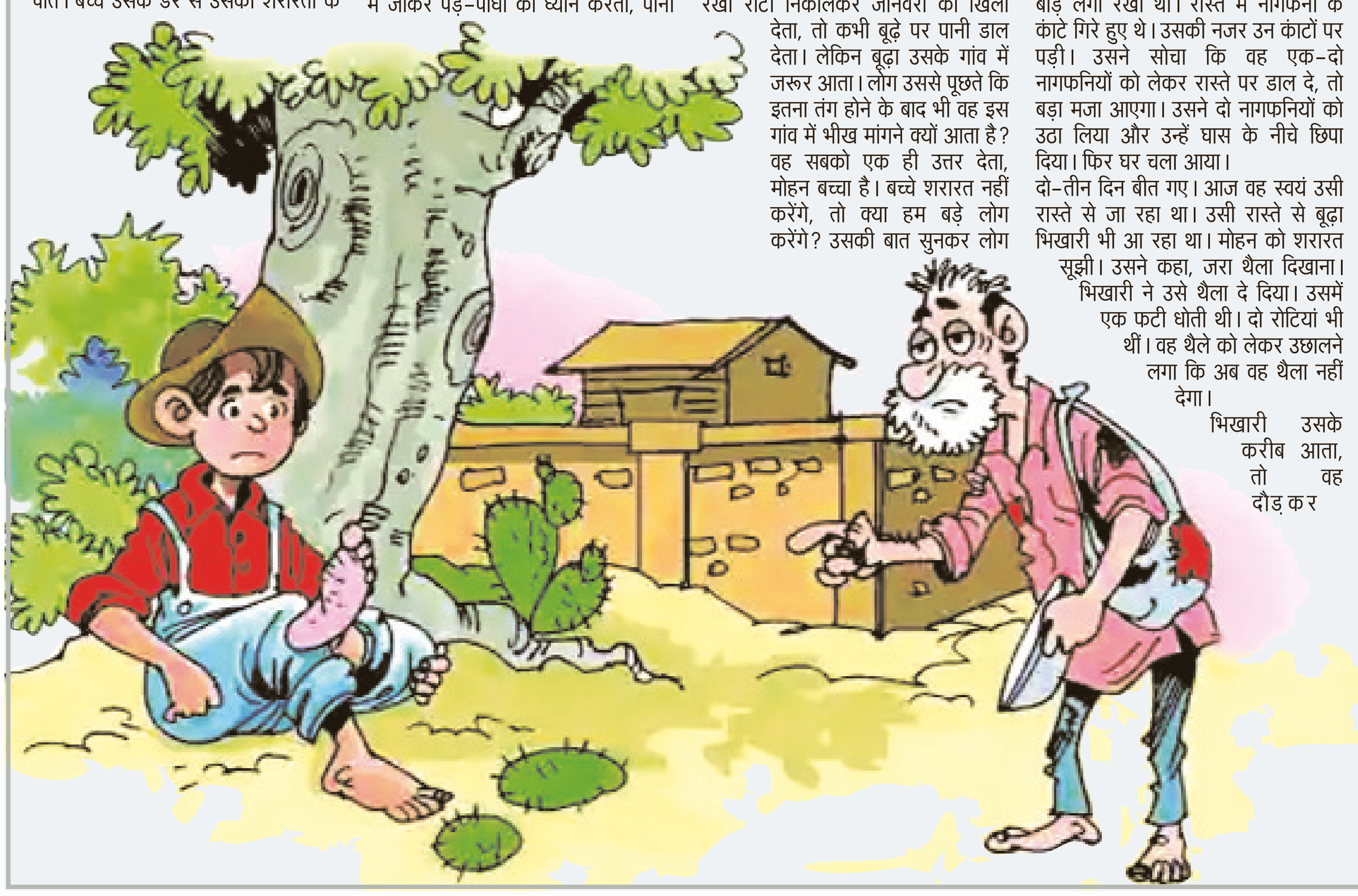

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

श्रीलंका ने रसोई गैस के लिए भारत से मदद मांगी

कोलंबो। श्रीलंका की सरकारी गैस कंपनी लिट्रो गैस के अध्यक्ष ने शुक्रवार को कहा कि उनके देश ने भारत के साथ ऋण सहायता व्यवस्था के तहत रसोई गैस आयात करने की प्रक्रिया शुरू की है। इस बीच, एक गैस माफिया पर भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। गौरतलब है कि श्रीलंका अपनी आजादी के बाद सबसे बड़े आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। वहां ईंधन, रसोई गैस के लिए लंबी लाइन देखने को मिल रही है। इसके अलावा महीनों से जरूरी सामान की किल्लत और घंटों बिजली कटौती से जनता परेशान है। श्रीलंका के सबसे बड़े आयातक और रसोई गैस के आपूर्तिकर्ता लिट्रो गैस के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) थेशारा जयसिंघे ने राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को भेजे अपने त्याग पत्र में कहा, 'मैंने गैस आयात के लिए भारतीय ऋण सहायता हासिल करने को लेकर भारतीय उच्चायोग के माध्यम से एक प्रक्रिया शुरू की थी। इसे आसानी से लागू किया जा सकता है।' जयसिंघे ने कहा कि वह इसलिए इस्तीफा दे रहे हैं क्योंकि उन्हें सरकार से पूरा सहयोग नहीं मिला। उन्होंने कहा कि एक गैस माफिया उनके खिलाफ काम कर रहा था। जयसिंघे ने कहा कि गैस कारोबार में भारी भ्रष्टाचार है।

फ्रांस के राष्ट्रपति चुनाव में हिजाब बना मुद्दा

पर्टुइस (फ्रांस)। फ्रांस में शुक्रवार को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव अभियान में मुस्लिमों का हिजाब (हेडस्कार्फ) केंद्रीय मुद्दा बनकर उभरा है। दक्षिणपंथी उम्मीदवार मरिन ले पेन ने देश में हिजाब पर प्रतिबंध लगाने का समर्थन किया है, जहां पश्चिमी यूरोप की सर्वाधिक मुस्लिम आबादी रहती है। ले पेन और उनके प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार एमैनुएल मैक्रों के बीच 24 अप्रैल को होने वाले चुनाव में कड़ा मुकाबला है। हालांकि, इन दोनों नेताओं को हिजाब लगाने वाली महिलाओं के विरोध का सामना करना पड़ा है, जिन्होंने इन दोनों से पूछा है कि उनकी परिधान संबंधी पसंद को राजनीति का मुद्दा क्यों बनाया जाना चाहिये। मैक्रों धार्मिक परिधानों पर रोक नहीं लगाएंगे, लेकिन उन्होंने कई मस्जिदों को बंद कराने और इस्लामिक समूहों पर निगरानी रखने का काम किया है। बहुत से मुस्लिमों को लगता है कि राष्ट्रपति पद को लेकर चुनाव अभियान अनुचित रूप से उनकी आस्था को कलंकित कर रहा है। दक्षिणी कस्बे पर्टुइस के एक किसान बजार में सिर ढके हुए एक महिला ले पेन के पास पहुंची और उनसे पूछा, राजनीति में हिजाब क्या कर रहा है? इसके जवाब में पेन ने कहा कि हिजाब एक ऐसा परिधान है, जिसे इस्लाम के कट्टर विचारधारा वाले लोगों द्वारा थोपा गया है। इस पर इस महिला ने कहा, ह्यह्ययह सच नहीं है।' इस महिला ने कहा, 'मैंने बुर्का पहनना तब शुरू किया जब मैं एक बूढ़ी महिला बन चुकी थी। मेरे लिए यह दादी मां बनने का एक संकेत है।' इस महिला ने बताया कि उसके पिता ने फ्रांसीसी सेना में 15 साल तक काम किया है। मैक्रों ने ले पेन से खुद को अलग करते हुए कहा कि वह किसी नियम में कोई बदलाव नहीं करेंगे, लेकिन स्कूलों में हिजाब पर मौजूदा प्रतिबंध का उन्होंने फ्रांस के धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों का हवाला देकर बचाव किया।

चीन ने रूस के साथ वैज्ञानिक सहयोग रोकने की बात खारिज की

बीजिंग । चीन ने उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है कि यूक्रेन संकट के बाद उसके वैज्ञानिक अपने रूसी समकक्षों के साथ सहयोग नहीं कर रहे हैं। इसके साथ ही चीन ने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में परस्पर सहयोग से आगे बढ़ रहा है और इसमें बहुत संभावनाएं हैं।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने कहा कि चीन-रूस वैज्ञानिक एवं तकनीकी नवाचार वर्ष 2020 से 2021 तक सफलतापूर्वक आयोजित किया गया और इस दौरान 1,000 से अधिक नवाचार, सहयोग एवं आदान-प्रदान गतिविधियां आयोजित की गईं और उनके सार्थक परिणाम मिले।

उन्होंने कहा इससे भविष्य में सहयोग के लिए नई जमीन तैयार हुई है और द्विपक्षीय वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहयोग की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया है। झाओ की यह टिप्पणी रूसी विज्ञान अकादमी (आरएएस) के अध्यक्ष अलेक्जेंडर सर्गीव द्वारा किए गए एक दावे के जवाब में आई है।

सर्गीव ने कहा था कि आरएएस के चीनी साझेदारों ने अकादमी के साथ सहयोग को रोक दिया है तथा पहले से चर्चा की गई परियोजनाओं को स्थगित कर दिया है। सर्गीव ने एक अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन में कहा कि यह स्थिति एक महीने से अधिक समय से यूक्रेन पर रूस के हमले के समय से ही चल रही है।

चूहों से महिला को अजब लगाव, 50 चूहों को घर में पाला, बच्चे की तरह करती हैं परवरिश

न्यूयार्क । पालतू जानवरों से इंसान लगाव अक्सर देखा जाता है पर चूहों वह भी 50 चूहों के पालने की बात सुनकर आप चौंक जाएंगे पर यह सच है। अमेरिका में एक महिला 50 चूहे पाल रखे हैं, जिसमें 25 मेल हैं और 25 फीमेल। खुद को एनिमल लवर कहने वाली ये महिला अपने बच्चों की तरह इन चूहों की देखभाल करती है। उसने अपने किचन सिंक में चूहों को नहलाने का वीडियो फेसबुक पर शेयर किया था, जो देखते ही देखते ही वायरल हो गया। 51 साल की ये महिला इन चूहों को अपना 'बेबी' बताती है। महिला 2018 में पहली बार दो चूहे लेकर आई थी, जिसके बाद से वो लगातार इनकी संख्या बढ़ाती गई। अब उसके पास 50 चूहे हो गए हैं। दिलचस्प बात ये है कि उसके पास एक बिल्ली भी है। महिला का कहना है- 'वे (चूहे) मेरे बच्चे हैं, वे कुछ भी गलत नहीं कर सकते। उनमें से प्रत्येक का अपना व्यक्तित्व है, इसलिए कई चूहे दूसरों की तुलना में मुझसे अधिक चिपके रहते हैं।' महिला आगे कहती है- 'वे बहुत मिलनसार हैं और जब मैं उन्हें खाना खिलाती हूं, तो वे सभी दौड़ते हुए आते हैं। वैसे तो सभी मिलनसार हैं लेकिन कुछ बहुत ही ज्यादा मिलनसार स्वभाव के हैं।'

इतना ही नहीं महिला के चार पालतू कुत्ते, तीन बिल्लियां और दो सुअर भी हैं। इससे पहले उसके पास दो भेड़ें, दो बकरियां, 25 मुर्गियां और करीब 15 बत्तख और हंस थे। उसका कहना है कि उसे जानवरों और पक्षियों से बेहद लगाव है और वो अपने पेट्स का बहुत ख्याल रखती है। महिला ने अलग-अलग जानवरों के रहने के लिए अलग-अलग जगह बना रखी है। जहां वह उनके खाने-पीने की व्यवस्था करती है। हालांकि, चूहों के प्रति उसका विशेष लगाव है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 51 वर्षीय इस महिला का नाम मिशेल रेबोन है। रेबोन अमेरिका के कैलिफोर्निया में रहती हैं। वो यूएस आर्मी से रिटायर हैं। कुछ महीने पहले उन्होंने अपने किचन के सिंक में चूहों को नहलाते हुए एक वीडियो फेसबुक पर पोस्ट किया था। सोशल मीडिया पर सामने आई कई तस्वीरों में वो चूहों के साथ खेलती हुई नजर आती हैं। तस्वीरों में उनका अपने चूहों के प्रति प्रेम झलकता है। मिशेल रेबोन कहती हैं बहुत से लोगों को मेरा काम अच्छा नहीं लगता लेकिन मैं उन्हें समझाती हूं और एनिमल लव के बारे में अवेयर करती हूं। कई लोग समझ जाते हैं, जबकि कई लोग मुझसे सहमत नहीं होते। फिलहाल रेबोन अपने पेट्स के साथ हंसी-खुशी जिंदगी आनंद ले रही हैं।

लोकतंत्र और स्वतंत्रता को मजबूत करना ही आम्बेडकर को सच्ची श्रद्धांजलिः जयशंकर

न्यूयॉर्क। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने डॉ. बी आर आम्बेडकर की 131वीं जयंती पर कहा कि उन्हें श्रद्धांजलि देने का सबसे अच्छा तरीका लोकतंत्र और स्वतंत्रता को मजबूत करना है। जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि बाबासाहेब के विचारों ने ऐसे समय में ह्यह्यस्पष्टता मुहैया कराई और कार्रवाई करने के लिए ह्यह्यदिशासूचकह्नह्न की तरह काम किया , जब न केवल भारत, बल्कि दुनिया एक बार फिर लोकतंत्र के गुणों पर चर्चा कर रही है।

प्योंगयांग में किम सुंग की 110 वीं बरसी पर उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन परेड कार्यक्रम के दौरान बालकनी से हाथ हिलाते हुए।

महंगाई की मार झेल रहे पाकिस्तानियों को लगेगा बिजली का झटका

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में बढ़ती महंगाई के बीच लोगों को फरवरी से खपत की गई बिजली के लिए 4.8 रुपये प्रति यूनिट की अतिरिक्त लागत का भुगतान करना होगा। नेशनल इलेक्ट्रिक पावर रेगुलेटरी अथॉरिटी (एनईपीआरए) ने फरवरी महीने के लिए फ्यूल कॉस्ट एडजस्टमेंट (एफसीए) के कारण बिजली टैरिफ में 4.8 रुपये प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की। कुछ दिन पहले ही देश की सत्?ता पर काबिज होने वाले प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बिजली वितरण कंपनियों को बिजली उपभोक्ताओं से अधिक शुल्क लेने की अनुमति भी दे दी है। इसकारण लोगों की जेब पर और अधिक बोझ पड़ रहा है। पाकिस्तान के लोग पहले से ही महंगाई में तेजी से पीड़ित हैं। बिजली वितरण कंपनियां सभी उपभोक्ता श्रेणियों से अप्रैल 2022 के बिलिंग महीने में फरवरी 2022 का ईंधन लागत समायोजन (एफसीए) चार्ज करेंगी। सेंट्रल पावर परचेजिंग एजेंसी ने पावर रेगुलेटर से अनुरोध किया था कि बिजली उपभोक्ताओं पर 38.4 बिलियन रुपये का बोझ डालने के लिए प्रति यूनिट 4.9441 रुपये की वृद्धि की अनुमति दी जाए। खबर के मुताबिक एनईपीआरए ने 31 मार्च को एक जनसुनवाई के दौरान बिजली उपभोक्ताओं पर लगभग 37.7 बिलियन रुपये का अतिरिक्त बोझ डालने के लिए प्रति यूनिट 4.8530 रुपये की वृद्धि को मंजूरी दी थी। बता दें कि पाकिस्?तान की मौजूदा सरकार ने कराची में लोड शेडिंग की परेशानी को हल करने के दावे किए हैं। हाल ही में वहां पर बिजली कटौती के कारण लोगों को रमजान के दौरान अंधेरे में ही तरावीह की नमाज अदा करनी पड़ी थी।

कीव पर नए सिरे से मिसाइल हमले करेगा रूस, कीव में 900 से अधिक नागरिकों के शव मिले

कीव (एजेंसी)

रूसी क्षेत्र में यूक्रेन के लगातार जारी हमलों और काला सागर में रूसी युद्धपोत के क्षतिग्रस्त होकर डूबने से भड़के मॉस्को ने कीव पर नए सिरे से मिसाइल हमले करने की धमकी दी है। वहीं, यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया है कि राजधानी कीव के बाहरी इलाकों में 900 से अधिक नागरिकों के शव मिले हैं। पुलिस ने बताया कि इनमें से अधिकांश लोगों को गोली मारी गई थी।

रूसी सेना ने पूर्वी यूक्रेन में नए सिरे से हमले की तैयारी तेज कर दी है, जबकि दक्षिणी बंदरगाह शहर मारियुपोल में लड़ाई जारी है, जहां स्थानीय लोगों ने रूसी सैनिकों को शवों को खोदकर निकालते देखने की सूचना दी है। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह सिनेहुबोव के अनुसार, उत्तर-पूर्वी शहर खारकीव में एक आवासीय इलाके पर गोलाबारी में सात महीने के बच्चे सहित सात लोगों की मौत हो गई और 34 अन्य घायल हो गए। राजधानी के क्षेत्रीय पुलिस बल के प्रमुख एंड्री नेबितोव ने कहा कि कीव के आसपास शवों को सड़कों पर छोड़ दिया गया या अस्थायी रूप से दफनाया गया।

उन्होंने पुलिस के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 95 प्रतिशत लोगों की मौत गोली लगने से हुई है। नेबितोव ने कहा हमें लगता है कि रूसी कब्जे के दौरान इन लोगों को यूं ही अकारण गोली मार दी गई। उन्होंने कहा कि हर दिन मलबे के नीचे और सामूहिक कब्रों से शव मिल रहे हैं तथा सबसे ज्यादा 350 से अधिक लाशें बुचा में बरामद हुई हैं। नेबीतोव के अनुसार, कार्यकर्ता रूसी कब्जे के बीच कीव के इस उपनगर में इकट्ठा हुए और शवों को दफनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि रूसी सैनिकों ने यूक्रेन समर्थक विचारों को व्यक्त करने वाले लोगों को निशाना बनाया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूसी सैनिकों पर दक्षिण में खेरसॉन और जापोरिजिया के कुछ हिस्सों पर कब्जा करने तथा यूक्रेन की सेना व सरकार में सेवाएं देने वाले लोगों को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

जेलेंस्की ने शुक्रवार रात राष्ट्र के नाम दिए अपने वीडियो संबोधन में कहा कब्जा करने वालों को लगता है कि इससे उनके लिए संबंधित क्षेत्र को नियंत्रित करना आसान हो जाएगा, लेकिन वे गलत हैं। वे खुद को बेवकूफ बना रहे हैं। उन्होंने कहा, रूस की समस्या यह है कि उसे पूरी यूक्रेनी जनता ने खारिज कर दिया है और वह उसे कभी भी स्वीकार नहीं करेगी। रूस ने यूक्रेन को हमेशा के लिए खो दिया है। रूसी अधिकारियों ने यूक्रेन पर सात लोगों को घायल करने और यूक्रेन की सीमा से सटे ब्रांस्क में हवाई हमलों के साथ लगभग 100 आवासीय भवनों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। इसके बाद कीव पर हमले और तेज होने की आशंका बढ़ गई है। रूस के एक अन्य सीमावर्ती क्षेत्र के अधिकारियों ने भी गुरुवार को यूक्रेन की ओर से गोलाबारी की सूचना दी। रूसीरक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इगोर कोनाशेनकोव ने कीव पर नए सिरे से हमले करने की धमकी देते हुए कहा कि रूस ने कीव में मिसाइल प्रणालियों की मरम्मत और उत्पादन केंद्र को नष्ट करने के लिए मिसाइलों का इस्तेमाल किया। वहीं, यूक्रेन के सरकारी हथियार निमार्ता उक्रोबोरोनप्रोम ने कहा कि रूसी सेना ने कीव के जुलियानी हवाईअड्डे के पास स्थित विजार संयंत्र में मिसाइल कार्यशालाओं में से एक पर हमला किया।

पाक के पंजाब प्रांत में बेकाबू हुए इमरान खान की पार्टी के नेता, नए मुख्यमंत्री के चुनाव में डिप्टी स्पीकर पर जमकर चले घूंसे

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की विधानसभा में शनिवार को जमकर बवाल हुआ। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ

(पीटीआई) के नेताओं ने डिप्टी स्पीकर दोस्त मोहम्मद मजरी पर हमला बोल दिया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर काफी वायरल हो रहा है।

सामने आए वीडियो में पीटीआई नेताओं ने डिप्टी स्पीकर दोस्त मोहम्मद मजरी के साथ झगड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान पीटीआई के कुछ नेताओं ने जमकर थप्पड़ मारे और डिप्टी स्पीकर के बाल भी खींचते हुए दिखाई दिए। हालांकि डिप्टी स्पीकर को विधानसभा से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

आगबबूला हो गए पीटीआई नेता

आपको बता दें कि डिप्टी स्पीकर दोस्त मोहम्मद मजरी जब विधानसभा में पंजाब प्रांत का नया मुख्यमंत्री चुनने के लिए सदन की अध्यक्षता करने के लिए आए तो पीटीआई नेता बेकाबू हो गए और डिप्टी स्पीकर दोस्त मोहम्मज मजरी पर लोटा फेंकने लगे। दरअसल, लाहौर उच्च न्यायालय के आदेश के बाद मुख्यमंत्री का चुनाव करने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया था।

सिंगापुर में सिखों पर अध्ययन के लिए प्रोफेसर पद की स्थापना

सिंगापुर (एजेंसी)

सिंगापुर में सिखों ने बैसाखी का पर्व देश और दक्षिण पूर्व एशिया में सिखों पर अध्ययन के लिए प्रोफेसर पद की स्थापना के साथ मनाया। इस पहल का मकसद सामुदायिक नेतृत्व की भूमिका में महिलाओं की संख्या बढ़ाना है।

सेंट्रल सिख गुरुद्वारा बोर्ड (सीएसजीबी) ने बृहस्पतिवार को सिखों पर अध्ययन के लिए एक विजिटिंग प्रोफेसर के पद की स्थापना के संबंध में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (एनयूएस) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर दस्तखत किए।

इसका मकसद सिंगापुर और विदेशों में सिखों पर अध्ययन के लिए अकादमिक छात्रवृत्ति को बढ़ावा देना है। यह सिंगापुर और दक्षिण पूर्व एशिया में सिखों पर अध्ययन के लिए स्थापित होने वाला पहला प्रोफेसर पद है। सीएसजीबी ने कहा कि वह विजिटिंग प्रोफेसर के पद की बंदोबस्ती निधि के लिए 12 लाख सिंगापुरी डॉलर जुटाने के लक्ष्य पर काम कर रहा है।

सरकार द्वारा दान में मिली डॉलर-दर-डॉलर राशि का मिलान किया जाएगा। वरिष्ठ रक्षा राज्य मंत्री हेंग ची हाउ सिख समुदाय द्वारा आयोजित बैसाखी समारोह में शामिल हुए और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के गवाह बने। 'फ्राइडे वीकली तबला' के मुताबिक, इस पहल के तहत 'एनकौर कार्य समिति' उन कारकों पर अध्ययन करेगी, जिनकी वजह से सिंगापुर में महिलाओं को नेतृत्व की भूमिका के अलावा सिख संगठनों और कार्यक्रमों में बड़ी भागीदारी नहीं मिल सकी है। 'एनकौर कार्य समिति' अलग-अलग पृष्ठभूमि की 21 सिख महिलाओं का एक पैनल है।

सिख सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष एवं एनकौर अनुसंधान के प्रवर्तक मलमिंदरजीत सिंह ने कहा, 'ऐतिहासिक रूप से खालसा के निर्माण के प्रतीक बैसाखी पर्व को मनाने का मकसद एक ऐसे समान समाज की स्थापना करना था, जो जाति, पंथ, वर्ग या लिंग के बंधन से परे हो।' उन्होंने कहा, 'सिख सलाहकार बोर्ड इस साल बैसाखी के मौके पर एनकौर पहल शुरू करके बेहद खुश है, ताकि सिख महिलाओं को सिंगापुर में नेतृत्व की भूमिका निभाने के ज्यादा मौके मिल सकें।

क्यों जेलेंस्की ने बाइडेन से रूस को लेकर की ये बड़ी मांग, अमेरिका द्वारा 'आतंकवाद के प्रायोजक देश' के रूप में नामित करने से क्या होगा?

कीव (एजेंसी)

यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस को लेकर अमेरिका से बड़ी मांग की है। जेलेंस्की ने राष्ट्रपति जो बाइडेन से रूस को सरकार प्रायोजित आतंकवाद के दोषी के रूप में नामित करने के लिए कहा है। द वाशिंगटन पोस्ट द्वारा रिपोर्ट में कहा गया है कि बाइडेन के साथ फोन पर बातचीत के दौरान जेलेंस्की ने ये मांग की है। रिपोर्ट के अनुसार बाइडेन ने इस तरह की किसी कार्रवाई का कोई आश्वासन जेलेंस्की को नहीं दिया है।

आतंकवाद प्रायोजक राज्य

अमेरिकी विदेश मंत्री (मुख्य रूप से विदेशी संबंधों के प्रभारी मंत्री) के पास 'सरकार प्रायोजित आतंकवाद' के रूप में 'अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद के कृत्यों के लिए बार-बार समर्थन प्रदान करने वाले देशों' को नामित करने की शक्ति है। स्टेट डिपार्टमेंट की

वेबसाइट के अनुसार, अमेरिका इस सूची में शामिल देशों पर चार श्रेणियों के प्रतिबंध लगा सकता है। अमेरिकी विदेशी सहायता पर प्रतिबंध; रक्षा निर्यात और बिक्री पर प्रतिबंध, दोहरे उपयोग की वस्तुओं के निर्यात पर कुछ नियंत्रण; और विविध वित्तीय और अन्य प्रतिबंध इसमें शामिल हैं। उन देशों और व्यक्तियों पर भी प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं जो निर्दिष्ट देशों के साथ व्यापार में शामिल हैं।

कौन-कौन इस सूची में शामिल

अब तक आतंकवाद के प्रायोजकों की सूची में चार देश हैं। सबसे पहले सीरिया (29 दिसंबर, 1979), उसके बाद ईरान (19 जनवरी, 1984) और उत्तर कोरिया (20 नवंबर, 2017) को नामित किया गया था। 12 जनवरी, 2021 को क्यूबा को आतंकवाद के राज्य प्रायोजक के रूप में फिर से नामित किया गया था। देशों को समय-समय पर सूची से हटाया और जोड़ा जाता है। एक देश को डी-लिस्टेड किया जा सकता है यदि यह माना जाता है कि उसने अपने व्यवहार में सुधार किया है या यदि उसने नेतृत्व में बदलाव किया गया है। मेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सूडान को राज्य प्रायोजित आतंकवाद की सूची से हटाने का फैसला किया था। जिसे पहली बार 1993 में राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के तहत नामित किया गया था।

चीन में बढ़ते आक्रोश के बीच शंघाई में नये कोविड मामले लगातार रिकॉर्ड ऊंचाई पर

बीजिंग। चीन में शुक्रवार को 3400 से अधिक लोग जांच में कोविड-19 से संक्रमित पाये गये, जबकि बिना लक्षण वाले कोविड मरीजों की संख्या 20,700 दर्ज की गई। चीन के शंघाई शहर में सबसे अधिक मामले पाये गये हैं, जहां लंबे समय से लॉकडाउन है। शंघाई में प्रतिदिन मिलने वाले नये मरीजों की संख्या लगातार सबसे अधिक है। शंघाई में इलाज के इंतजार में एक बुजुर्ग महिला की मौत को लेकर लोगों में नाराजगी के मद्देनजर अस्पतालों को आदेश दिया गया है कि वे गैर कोविड मरीजों के इलाज में देरी नहीं करें। राष्ट्रीय स्वस्थ्य आयोग (एनएचसी) के अुनसार चीन के मुख्य भूभाग पर बृहस्पतिवार को स्थानीय संक्रमण के कारण कोविड-19 से संक्रमित पाये गये लोगों की संख्या 3472 दर्ज की गई, जबकि बगैर लक्षण वाले कोविड मरीजों की संख्या 20782 दर्ज की गई। इस दौरान चीन के वाणिज्यिक केंद्र शंघाई में स्थानीय संक्रमण के कारण कोविड-19 से संक्रमित पाये गये लोगों की संख्या 3200 दर्ज की गई, जबकि बगैर लक्षण वाले कोविड मरीजों की संख्या 19872 दर्ज की गई। शहर में पहले ही कोरोना वायरस संक्रमण की जांच के लिए कई दौर के परीक्षण किये जा चुके हैं। साथ ही संक्रमितों के इलाज के लिए अस्थायी अस्पताल बनाये जा चुके हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया कि बीते चौबीस घंटे में कोरोना संक्रमित रोगियों के 28,778 करीबी लोगों को स्वास्थ्य निगरानी से मुक्त किया गया। गौरतलब है कि चीन के वुहान से 2019 में कोरोना वायरस संक्रमण का पहला मामला सामने आया था। बाद में कोरोना वायरस के संक्रमण ने वैश्विक महामारी का रूप ले लिया था। अब एक बार फिर यह उसी क्षेत्र में इतनी तेजी से बढ़ रहा है, जब बाकी दुनिया ने वायरस को लगभग नियंत्रित कर लिया है। शंघाई में स्थिति इतनी खराब होने लगी है कि आधिकारिक चीनी मीडिया ने भी जनता के असंतोष को उजागर करना शुरू कर दिया है। सरकारी ग्लोबल टाइम्स में शुक्रवार को छपी रिपोर्ट के मुताबिक, शंघाई शहर कोरोना वायरस संक्रमण के ओमीक्रोन स्वरूप के खिलाफ अपने सबसे कठिन समय से गुजर रहा है। स्थानीय निवासियों के बीच संदेह, चिंता और थकान ध्यान देने योग्य है। कोई भी हृदय विदारक कहानी जनता के रोष को जगा सकती है।

इमरान के खिलाफ शहबाज की जांच, जेल जाएंगे पूर्व कप्तान, क्या है 18 करोड़ वाले हार का मामला?

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान में इमरान खान पर करोड़ों के घोटाले का आरोप लगा है। इमरान के साथ बुशरा बीबी का भी नाम आया है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक ये दोनों किसी भी वक्त भी जेल जा सकते हैं। ये कोई एक स्कैम का मामला नहीं है। शहबाज शरीफ सरकार ने चार दिनों में ही घोटालों की पूरी श्रृंखला का खुलासा किया है। पाकिस्तान की फेडरल इंवेस्टिगेशन एजेंसी हार बेचने के मामले में जांच शुरू कर चुकी है। कहा तो ये भी जा रहा है कि इमरान एक बार जेल गए तो फिर उनका बाहर आना बेहद मुश्किल है।

वास्तव में क्या हुआ?

पाकिस्तानी मीडिया में यह बताया गया है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने कार्यकाल के दौरान उपहार के रूप में प्राप्त एक हार की बिक्री के कारण संकट में हैं। 24 न्यूज एचडी टीवी चैनल के अनुसार पाकिस्तान के एफआईए ने उपहार हार की बिक्री की जांच शुरू कर दी है, जो वास्तव में तोशा-खाना (राज्य उपहार भंडार) का था। रिपोर्ट में कहा गया है कि हार को इमरान खान के सबसे करीबी जुल्फी बुखारी के माध्यम से लाहौर के एक जौहरी को 18 करोड़ रुपये में बेचा गया था।

जुल्फिकार बुखारी ने किया इनकार

रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि सार्वजनिक उपहारों को आधी कीमत देकर निजी कोठरी में रखा जा सकता है, लेकिन इमरान खान ने राष्ट्रीय खजाने में कुछ लाख रुपये जमा किए, जो कि अवैध था। द न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक प्रवासी पाकिस्तानियों पर प्रधानमंत्री के पूर्व विशेष सहायक सैयद जुल्फिकार बुखारी ने इस बात से इनकार किया कि हार बेचने की खबरों में कोई सच्चाई है।

जेल या विदेश यही है पाकिस्तान के पूर्व सत्ताधीशों का इतिहास

पाकिस्तान के इतिहास को उठाकर देखें तो ऐसा अक्सर होता आया है। फौज जिसका साथ छोड़ती है वो या तो विदेश जाता है या तो जेल। अब इमरान खान के घोटाले सामने आएंगे, जांच होगी और क्या वो भी जेल जाएंगे। परवेज मुशर्रफ से लेकर नवाज शरीफ तक के गद्दी से उतरते हुए उन पर ढेरों मुकदमें हुए, और दोनों ही फिलहाल पाकिस्तान से बाहर हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना के चलते दो साल से सेना में रुकी थी भर्ती

कोरोना के चलते दो साल से सेना में रुकी थी भर्ती, महसूस होने लगी जवानों की कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

महामारी कोरोना के प्रकोप के चलते बीते दो साल से सभी क्षेत्रों में कामकाज थम सा गया था। लिहाजा, पाबंदियों के चलते भारतीय सेना में 2 साल से भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगी हुई है। इसके चलते अब सेना में जवानों की कमी महसूस की जाने लगी है। हर महीने बढ़ती इस कमी के बावजूद सैनिकों के ऑपरेशन्स में किसी तरह की रुकावट नहीं आई है। मामले के जानकार लोगों ने बताया कि भारतीय सेना के जवान लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। सेना में फिलहाल अधिकारी रैंक (पीबीओआर) कैडर से नीचे के कर्मियों में लगभग 120,000 सैनिकों की कमी है। हर महीने कम से कम 5,000 जवानों की दर से कमी बढ़ रही है। हमारे पास 10 लाख से अधिक सैनिकों की अधिकृत ताकत है। फॉरवर्ड एरिया में तैनात सीनियर अधिकारी ने कहा, 'भर्ती रुकने के कारण जनशक्ति पर दबाव बढ़ गया है, लेकिन फ्रंट-लाइन यूनिट्स की दक्षता कम नहीं हुई है। मैनपावर प्लानिंग पर ध्यान केंद्रित किया गया है ताकि हम मौजूदा संख्या के साथ काम कर सकें।'

कोरोना की स्थिति स्थिर और सामान्य होने के बावजूद सरकार ने भर्ती पर रोक को वापस नहीं लिया है। देश ने दो साल बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ानें फिर से शुरू कर दी हैं, स्कूल फिर से खुल गए हैं और शॉपिंग मॉल व सिनेमा हॉल बिजनेस कर रहे हैं, लेकिन सेना भर्ती अभियान नदारद है।

सेना को यूनिट लेवल पर मैनपावर की कमी-

एक सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल ने पहचान न उजागर करने की शर्त पर कहा, ÷इसमें कोई संदेह नहीं है कि सेना को यूनिट लेवल पर मैनपावर की कमी का सामना करना पड़ रहा है। भर्ती पर रोक के दौरान भी फ्रंट-लाइन यूनिट्स के ऑपरेशनल और ट्रेनिंग से जुड़े कामकाज प्रभावित नहीं हुए हैं। अब वही कार्य कम जवानों के साथ किया जा रहा है। पर्याप्त योजना के साथ यह सुनिश्चित करना मुश्किल नहीं है कि लड़ाकू पंच कमजोर न पड़े।'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस विषय पर एक सवाल का जवाब देते हुए पिछले महीने राज्यसभा को बताया था कि सेना कोरोना से पहले में हर साल औसतन 100 भर्ती रैलियां आयोजित करती थी, जिनमें से प्रत्येक छह से आठ जिलों को कवर करती थी। कोविड के आने से पहले सेना ने 2019-20 में 80,572 और 2018-19 में 53,431 कैंडिडेट्स की भर्ती की थी। वहीं, आर्मी के प्रवक्ता का कहना है कि कोरोना से हालात सामान्य होने पर दोबारा भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी।

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में सीएम बीरेन सिंह ने किया मंत्रिमंडल का विस्तार किया

- 6 और मंत्रियों ने ली शपथ

इंफाल। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शनिवार को यहां अपनी कैबिनेट में छह और मंत्रियों को शामिल कर लिया है। राज्यपाल ला गणेशन ने राजभवन में एक समारोह के दौरान नए मंत्रियों -एच डिंगो सिंह, लेतपाओ हाओकिप, डॉ. सपम रंजन सिंह, बसंत सिंह और एल सुसिंद्रो मीतेओ को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई, सभी भाजपा से और खासीम वासुम नागा पीपुल्स फ्रंट से, जो भगवा पार्टी की सहयोगी है।

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री के अलावा उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी और वरिष्ठ नागरिक एवं सुरक्षा अधिकारी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अधिकारीमयुम शारदा देवी मौजूद थे। बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार, (जिन्होंने 21 मार्च को लगातार दूसरी बार सत्ता संभाली) ने शनिवार को अपना पहला कैबिनेट विस्तार किया, जिसमें छह नए मंत्रियों को शामिल किया गया। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के मंत्रिमंडल में 12 मंत्रियों की पूरी ताकत शामिल थी। 12 सदस्यीय मंत्रिपरिषद में अब भाजपा के पास 10 और उसके सहयोगी सहयोगी एनपीएफ के दो मंत्री हैं। फरवरी-मार्च विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 60 सदस्यीय राज्य विधानसभा में 32 सीटों का मामूली बहुमत हासिल किया, जिसके परिणाम 10 मार्च को घोषित किए गए। इससे पहले 21 मार्च को मुख्यमंत्री के अलावा भाजपा के चार विधायक थोंगम बिस्वजीत सिंह, युमनाम खेमचंद सिंह, गोविंददास कोंथौजम, नेमचा किपगेन और एनपीएफ के अवांगबो न्यूमई ने पद और गोपनीयता की शपथ ली थी। पूर्व मंत्री नेमचा किपजेन बीरेन सिंह मंत्रिपरिषद में एकमात्र महिला मंत्री हैं। एनपीएफ, (जिसने भाजपा के साथ बिना किसी चुनाव पूर्व गठबंधन के अलग से विधानसभा चुनाव लड़ा था) ने पांच सीटें हासिल की थीं।

हाल के चुनावों में भाजपा की पूर्ववर्ती सहयोगी नेशनल पीपुल्स पार्टी ने सात सीटें हासिल कीं, जबकि जनता दल (यूनाइटेड) ने छह सीटें जीतीं और कांग्रेस और नागा पीपुल्स फ्रंट को पांच-पांच सीटें मिलीं।

यदि हम स्थानीय उत्पाद इस्तेमाल करें, तो हमारे लोग बेरोजगार नहीं रहेंगे : मोदी

-पीएम मोदी ने मोरबी में हनुमान जी की 105 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया

अहमदाबाद । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आज भारत इस मोड़ पर स्थिर नहीं बना रह सकता। उसे आत्मनिर्भर बनना होगा। पीएम मोदी ने हनुमान जयंती के अवसर पर वीडियो लिंक के जरिए गुजरात के मोरबी में भगवान हनुमान की 105 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण करते हुए कहा कि भारत अब स्थिर नहीं बना रह सकता, हम जहां है वहीं बने नहीं रह सकते। वैश्विक स्थिति ऐसी है कि पूरी दुनिया यह सोच रही है कि आत्मनिर्भर कैसे बनना है। उन्होंने कहा कि मैं देश के संतों से अनुरोध करूंगा कि वे केवल स्थानीय उत्पाद खरीदने की लोगों को शिक्षा दें। 'वोकल फॉर लोकल' मुख्य चीज है। हमारे घरों में हमें केवल अपने लोगों की बनाई चीजों का इस्तेमाल करना चाहिए। कल्पना कीजिए, इसके कारण कितनी अधिक संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा। पीएम मोदी ने कहा विदेशी वस्तुएं लोगों को अच्छा महसूस करा सकती हैं, लेकिन इसमें हमारे लोगों की कड़ी मेहनत, हमारी मिट्टी की सुगंध का एहसास शामिल नहीं होगा। प्रधानमंत्री ने कहा यदि आगामी 25 साल में हम केवल स्थानीय उत्पाद इस्तेमाल करते हैं, तो हमारे लोग बेरोजगार नहीं रहेंगे।

उत्तराखंड में 45 स्थानों पर जंगल में लगी आग, श्रीनगर में दमकलकर्मियों ने संभाला मोर्चा

देहरादून (एजेंसी)।

उत्तराखंड के जंगलों में आग धधक रही है। आग को बुझाने के लिए दमकल की गाड़ियों को लगाया गया है। इस बीच खबर है कि उत्तराखंड के श्रीनगर की पहाड़ियों में भी भीषण आग लगी हुई है और दमकलकर्मी आग को बुझाने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि अभी तक किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं है। कनखल पुलिस स्टेशन के एसएचओ हरिओम चौहान ने बताया कि आग जंगल में एक जगह पर लगी, जहां पर लकड़ियों से संबंधित कुछ काम चल रहा था। दमकल विभाग की एक टीम मौके पर पहुंच गई है और आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है। भीषण गर्मी के बीच उत्तराखंड के 45 स्थानों पर जंगल में आग लगी है। कुमाऊं में आग की 27 घटनाएं हुईं हैं। वन अधिकारियों के मुताबिक आग की घटनाओं में प्रदेश ने लगभग 38 हेक्टेयर वन क्षेत्र खो दिया है। जबकि गढ़वाल क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश के चलते जंगल के कुछ हिस्सों की आग भी बुझ गई है।

लाउडस्पीकर विवाद- ए मएनएस नेता राज ठाकरे और शिवसेना सांसद संजय राउत में ठनी

-शिवसेना के मुखपत्र कार्यालय पर लगाए धमकी भरे पोस्टर

मुंबई । महाराष्ट्र में मस्जिदों में लाउडस्पीकर हटाने को लेकर घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब महाराष्ट्र नव निर्माण सेना ने शिवसेना नेता संजय राउत को धमकी दी है। पार्टी ने शिवसेना के मुखपत्र के दफ्तर के बाहर पोस्टर चस्पा किए हैं। मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने राज्य सरकार को मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की धमकी दी है। इधर, महाविकास अघाड़ी सरकार में शामिल सभी दल ठाकरे की मांग के खिलाफ खड़े हो गए हैं। मनसे की तरफ से लगाए गए पोस्टर पर लिखा है, 'ओवैसी किसको बोला? संजय राउत अपना लाउडस्पीकर बंद कर लो। पूरे महाराष्ट्र को इससे परेशानी हो रही है, नहीं तो हम आपका लाउडस्पीकर मनसे के तरीके से बंद करेंगे।' दरअसल, हाल ही में राउत ने एक इंटरव्यू के दौरान भारतीय जनता पार्टी, राज ठाकरे महाराष्ट्र के ओवैसी हैं। शिवसेना नेता यह दिखाना चाह रहे थे कि मनसे राज्य में 'वोट कटुआ' है, जैसे उत्तर प्रदेश चुनाव में एआईएमआईएम रही थी। खास बात है कि लाउड स्पीकर विवाद ने राज्य में नया सियासी तनाव खड़ा कर दिया है। हाल ही में गुड़ी पड़वा समारोह के दौरान ठाकरे ने मस्जिदों से लाउड स्पीकर हटाने की मांग की थी। साथ ही उन्होंने धमकाया था कि ऐसा नहीं होने पर उनकी पार्टी मस्जिदों के बाहर हनुमान चालीसा बजाएगी। उन्होंने सरकार को 3 मई तक का अल्टीमेटम भी दिया था। इस विवाद के चलते मनसे से मुस्लिम नेता अलग हो रहे हैं। इधर, हिंदू जनजागृति समिति ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 2016 के आदेश का पालन करने की मांग की है, जिसमें धार्मिक स्थलों पर लगाए गए अवैध लाउड स्पीकर हटाने के लिए कहा गया था। हालांकि, राज्य के उप-मुख्यमंत्री अजीत पवार का कहना है कि राज ठाकरे को तवज्जो नहीं दी जानी चाहिए। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा कि लाउड स्पीकर हटाने के बजाए उन्हें बढ़ती महंगाई पर बात करनी चाहिए।

राजधानी दिल्ली में कोरोना का कहर बढ़ा

-एक दर्जन से अधिक संक्रमित बच्चे अस्पतालों में कराए गए भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश की राजधानी दिल्ली सहित एनसीआर क्षेत्र में कोरोना वायरस का संक्रमण फिर तेज हो गया है। इस बार इस महामारी का असर बच्चों में अधिक देखने को मिल रहा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, 14 कोरोना पॉजिटिव बच्चे दिल्ली के निजी और सरकारी अस्पतालों में भर्ती हैं। उनमें से ज्यादार में कोमोरबिडिटी है। इस बार बच्चों के अधिक संक्रमित होने के चलते माता-पिता की चिंताएं बढ़ गई हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक, दिल्ली में कोविड के कुल 685 मरीज होम आइसोलेशन में हैं। इसमें कहा गया है कि दिल्ली के अस्पतालों में कोविड मरीजों के लिए 9,735 बेड्स हैं और उनमें से 51 (0.52 प्रतिशत) अभी भरे हुए हैं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में गुरुवार को संक्रमण के 325 नए मामले सामने आए थे, जबकि एक भी मरीज की मौत नहीं हुई थी। वहीं, संक्रमण दर 2.39 प्रतिशत रही थी। बुधवार को, कोविड के 299 मामले सामने आए थे और संक्रमण दर 2.49 प्रतिशत रही थी। दिल्ली के सभी अस्पतालों को सतर्क रहने को कहा- राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के मद्देनजर दिल्ली के सभी अस्पतालों को अलर्ट रहने की सलाह दी गई है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने यह जानकारी देते हुए कहा कि दिल्ली सरकार हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं, बीते दिनों मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि सरकार स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या नहीं बढ़ रही है, इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है। अभी चिंता की कोई बात नहीं है। जैन ने कहा कि दिल्ली सरकार स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए है और सरकार कोई जोखिम नहीं लेना चाहती है। हमने अपने स्वास्थ्य ढांचे को पूरी तरह से बदल दिया है। इसके साथ ही दिल्ली में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच सभी अस्पतालों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए मरीजों का संपर्क में आए लोगों का पता लगा रही है। साथ ही जरूरत पड़ने पर आरटी-पीसीआर जांच भी बढ़ाई जाएगी।

भाजपा के लिए निराशाजनक रहे उपचुनाव के परिणाम, बंगाल, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ व बिहार में विपक्ष की जीत

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

देश के कुछ राज्यों में हुए विधानसभा व लोकसभा उपचुनाव के परिणाम भाजपा के लिए बेहद निराशाजनक जबकि विपक्ष के लिए उत्साहवर्धक रहे हैं। महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में जहां कांग्रेस को जीत मिली वहीं, पश्चिम बंगाल में हुए उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने बॉलीगंज विधानसभा सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा और आसनसोल लोकसभा सीट भाजपा से छीन ली।

इसके अलावा बिहार में राजद ने एनडीए से एक सीट छीन ली। वैसे ज्यादातर उपचुनाव परिणाम राज्यों में सत्तारुढ़ दल के पक्ष में ही जाते हैं, इस लिहाज से महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और बंगाल के परिणाम ज्यादा चौंकाने वाले नहीं रहे, लेकिन बिहार में जिस तरह राजद को बड़ी जीत हासिल हुई है, उससे आने वाले दिनों में राज्य में नई राजनीतिक हलचल देखने को मिल सकती हैं। इसके साथ ही आसनसोल लोकसभा सीट भाजपा के हाथ से खिसकना राज्य भाजपा नेतृत्व के कौशल पर भी सवाल खड़े करता है। बिहार की बात करें तो यहां राजद उम्मीदवार अमर कुमार पासवान ने बोचहां विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं भाजपा उम्मीदवार बेबी कुमारी को 35,000 से अधिक मतों से हराया है। हम आपको बता दें कि बोचहां से विधायक मुसाफिर पासवान के निधन के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराने की जरूरत पड़ी थी।

मुसाफिर पासवान ने 2020 में विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के टिकट पर बोचहां से चुनाव जीता था। उल्लेखनीय है कि बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान विकासशील इंसान पार्टी एनडीए का हिस्सा थी। इस लिहाज से अब राज्य विधानसभा में एनडीए की एक सीट कम हो गयी है। वहीं बंगाल की बात करें तो आसनसोल लोकसभा और बॉलीगंज विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचुनावों में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों ने एक तरफा जीत हासिल की।

बॉलीगंज विधानसभा उपचुनाव में पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री बाबुल सुप्रियो और आसनसोल लोकसभा उपचुनाव में पूर्व केंद्रीय मंत्री शत्रुघ्न सिन्हा ने जीत हासिल की। खास बात यह है कि यह दोनों ही नेता पहले भाजपा में रह चुके हैं और अब तृणमूल के टिकट पर चुनाव जीते हैं। बाबुल के बारे में तो माना जा रहा है कि ममता बनर्जी उन्हें अपने मंत्रिमंडल में शामिल कर सकती हैं। आसनसोल में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं मशहूर अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने भारतीय जनता पार्टी की अग्निमित्रा पॉल पर विजय हासिल की।

तमिलनाडु में फिर छिड़ी हिंदी भाषा को लेकर जंग

पुराने इतिहास और विवाद पर एक नजर

चेन्नई (एजेंसी)।

दक्षिण भारत में हिंदी भाषा को लेकर विरोध के स्वर गाहे-बगाहे उठते रहते हैं। अब तमिलनाडु में एक बार फिर भाषा को लेकर जंग छिड़ गई है। राज्य में यह पहली बार नहीं हो रहा है। इससे पहले भी भाषा लोगों के बीच बहस का मुद्दा बन चुकी है। हाल ही में तमिलनाडु के राजनीतिक दलों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की हालिया टिप्पणियों के खिलाफ आवाज उठाई है, जिसमें अमित शाह ने अंग्रेजी के विकल्प के रूप में हिंदी को शामिल करने की बात कही थी। जानकारी के मुताबिक, सत्तारूढ़ डीएमके, विपक्षी अन्नाद्रमुक, पीएमके, एमडीएमके और अन्य राजनीतिक दल शाह के बयान के खिलाफ सामने आए हैं। डीएमके के अखबार ने अपनी ओर से शाह के विचारों के खिलाफ एक लेख प्रकाशित किया था। डीएमके की सांसद कनिमोझी के मुताबिक, हिंदी भाषा देश को जोड़ने का नहीं बल्कि तोड़ने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और उसके मंत्रियों को हिंदी विरोधी आंदोलन के इतिहास और इसके लिए दी गई कई लोगों की कुर्बानी के बारे में पता होना चाहिए। राज्य के भाजपा नेताओं ने खुद कहा था कि पार्टी तमिलनाडु के लोगों पर हिंदी भाषा थोपने को स्वीकार नहीं करेगी। कुछ साल पहले शाह ने कहा था, 'यह बहुत जरूरी है कि पूरे देश में एक भाषा हो, जो दुनिया में इसकी पहचान बने और केवल हिंदी भाषा ही ऐसी एकजुट शक्ति हो सकती है।' तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे राज्यों में राजनीतिक दलों ने इसे उन पर हिंदी थोपने की कोशिश के रूप में देखा और इसके खिलाफ आंदोलन शुरू करने की अपनी मंशा की घोषणा की। द्रमुक और पीएमके ने कहा, 'एक राष्ट्र, एक भाषा' देश के लिए विनाशकारी साबित होगी। जैसे ही अमित शाह की टिप्पणी के खिलाफ नेताओं ने आवाज उठानी शुरू की तो शाह ने स्पष्ट किया कि ÷उन्होंने कभी भी अन्य क्षेत्रीय भाषाओं पर हिंदी थोपने की मांग नहीं की थी। उन्होंने लोगों से सिर्फ अनुरोध किया था कि हिंदी को अपनी मातृभाषा के साथ दूसरी भाषा के रूप में सीखा जाना चाहिए।' शाह ने क्षेत्रीय दलों को शांत करने के लिए कहा कि वह खुद गुजरात से आते हैं, जो एक गैर-हिंदी राज्य है। इससे पहले, केंद्र सरकार की नई शिक्षा नीति (एनईपी) के मसौदे में स्कूलों में तीन भाषा के फॉमूर्ले के तहत हिंदी के अनिवार्य शिक्षण के प्रस्ताव पर भी विवाद खड़ा हो गया था। जब तमिलनाडु, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल राज्यों ने इसका विरोध करना शुरू किया तो इसे संशोधित कर दिया गया। रेल मंत्रालय ने भी सिर्फ हिंदी और अंग्रेजी में भर्ती परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया था, लेकिन विरोध के बाद इसे भी वापस ले लिया गया। इसी तरह दक्षिण रेलवे ने संभागीय नियंत्रण कार्यालय और स्टेशन मास्टरों को निर्देश जारी किया था कि वे हिंदी या अंग्रेजी में बोलें और गलतफहमी को रोकने के लिए क्षेत्रीय भाषा से बचें। इसे भी विरोध के बाद वापस ले लिया गया। हिंदी भाषा के मुद्दे पर शाह पर कटाक्ष करते हुए, तमिल अभिनेता-राजनेता कमल हासन ने कहा था कि 'कोई शाह, सुल्तान या सम्राट' विविधता में एकता के वादे से पीछे नहीं हटना चाहिए, जो भारत के गणतंत्र बनने पर किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

मैं टीएमसी के लिए 10 गोल करूंगा, जान भी दे सकता हूं : बाबुल सुप्रियो

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की बालीगंज विधानसभा सीट पर उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने डंका बजा दिया है। बालीगंज से टीएमसी नेता बाबुल सुप्रियो ने शानदार जीत दर्ज की है। शुरुआती दौर से ही बाबुल यहां पर अच्छी-खासी बढ़त बनाए हुए थे और आखिरकार जीत गए। सीट पर बीजेपी उम्मीदवार तीसरे,तब कांग्रेस चौथे नंबर पर रही। सुप्रियो ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की सायरा शाह हलीम को 2,0038 वोटों से हरा दिया। जीत के बाद प्रतिक्रिया देकर सुप्रियो ने कहा, मैं जिस पार्टी में रहता हूं, उस पार्टी के लिए जान भी देता हूं। मुझे यह साबित करने की जरूरत नहीं है। पहले मैंने भाजपा के लिए 2 गोल किए, अब मैं टीएमसी के लिए 10 गोल करूंगा। 20,000 ज्यादा वोटों से मिली जीत को मैं ममता बनर्जी और टीएमसी संगठन को समर्पित करता हूं।' वहीं, भाजपा विधायक अग्निमित्र पॉल ने कहा कि बालीगंज में बाबुल सुप्रियो की जीत का अनुमान था, पॉल ने अच्छी लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि हम पुलिस, प्रशासन और चुनाव आयोग से राज्य में हिंसा पर रोक लगाने का आग्रह करते हैं। पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा नहीं होनी चाहिए। पॉल ने कहा, ÷जरूर कुछ कमी रह गई इसलिए ये परिणाम आ रहे हैं, लेकिन हम इस कमी को सुधारने वाले है। ये जनता का फैसला है जिसका हम स्वागत करते हैं, हिंसा अभी भी होगी क्योंकि तृणमूल का मतलब है ही हिंसा। शत्रुघ्न सिन्हा को जीत की बधाई देती हूं।' बता दें कि आसनसोल लोकसभा सीट बाबुल सुप्रियो के भाजपा से तृणमूल कांग्रेस में जाने के बाद सांसद पद से इस्तीफा देने के कारण खाली हुई थी। वहीं, बालीगंज के विधायक एवं राज्य सरकार में मंत्री सुब्रत मुखर्जी के निधन के कारण इस सीट पर उपचुनाव कराने की जरूरत पड़ी।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

नई दिल्ली । दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस ऋतु में सामान्य है। भारत के मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी ने बताया कि दिल्ली में सापेक्ष आर्द्रता सुबह साढ़े आठ बजे 60 प्रतिशत के करीब रही। मौसम विभाग ने पूर्वानुमान लगाया है कि राष्ट्रीय राजधानी में दिन में आसमान साफ रह सकता है और अधिकतम तापमान 40 डिग्री तक जा सकता है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में शुक्रवार को अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 38.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जबकि न्यूनतम तापमान 23.7 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक था।

कांग्रेस के पूर्व विधायक ने दिया आजम को कांग्रेस में आने का न्यौता

मुरादाबाद। कांग्रेस के पूर्व विधायक हाजी इकराम कुरैशी ने कहा कि सपा ने मुहम्मद आजम खां और उनके परिवार के लिए कुछ नहीं किया। कांग्रेस में ही उन्हें सम्मान मिल सकता है। इसकारण मैं आजम खान को कांग्रेस में आने का न्यौता देता हूं। पूर्व विधायक ने कहा है, कि रामपुर के विधायक मुहम्मद आजम खां मुस्लिमों के बड़े नेता हैं। यूपी में उन्होंने ही सपा को सींचकर बड़ा किया। योगी सरकार उन पर जुल्म कर रही है। झूठे मुकदमे लिखाकर जेल में डाल दिया गया। भैंस, बकरी और किताबें चोरी करने के आरोप लगाकर आजम के खिलाफ मुकदमे दर्ज हुए। वह अभी तक जेल में है। जिस नेता ने सपा की बुनियाद रखने में अहम भूमिका निभाई उसके लिए समाजवादी पार्टी ने कुछ नहीं किया। पूर्व विधायक ने कहा कि मैं भी सपा से विधायक रहते प्रोटोकाल में बंधा रहा। बहुत कुछ कहने की इच्छा रहती थी। लेकिन, पार्टी की बंदिशों के आगे कुछ नहीं कह पाया। हालांकि सीतापुर जेल में कई बार उनसे मुलाकात की। मेरा टिकट भी नागफनी से मुस्लिम समाज के 14 लोगों को छुड़ा लाने की वजह से ही काट दिया गया। विधायक रहते हम बेगुनाह लोगों की मदद नहीं कर पाएं,तब किस काम की नेतागीरि है। उन्होंने कहा कि आजम के मीडिया प्रभारी फसाहत अली शानू ने बिल्कुल सच कहा है। मैं उनका समर्थन करता हूं। आम आदमी की समस्याओं को लेकर लड़ाई कैसे लड़ी जाएगी, जब इतने बड़े नेता को ही समाजवादी पार्टी ने अकेला छोड़ दिया। बता दें कि हाजी इकराम कुरैशी मुरादाबाद देहात से विधायक रहे हैं। टिकट काटे जाने के बाद उन्होंने बगावत करके कांग्रेस से विधानसभा चुनाव लड़ा था।

बोचहां सीट जीतकर तेजस्वी ने बड़े भाई तेज प्रताप जन्मदिन का तोहफा

पटना । राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव का शनिवार को जन्मदिन है। तेज प्रताप बिहार की सियासत में वहां चेहरा हैं, जो अपने बयानों और स्टाइल के लिए जाने जाते हैं। कुल मिलाकर कह सकते है, कि तेज प्रताप यादव बिहार की सियासत के वे चेहरे हैं, जो भी कुछ वहां करते हैं सुर्खियों में बने रहते हैं। तेज प्रताप यादव के लिए शनिवार का दिन खास रहा। मुजफ्फरपुर की बोचहां विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में राजद को बड़ी जीत मिली है। आरजेडी के अमर पासवान विधायक बन गए हैं। इसके बाद तेजस्वी यादव ने अपने बड़े भाई तेज प्रताप को उनके बर्थडे पर जीत का तोहफा दिया है। 16 अप्रैल को तेज प्रताप का बर्थडे है, शनिवार को ही बोचहां सीट के मतगणना हुई। शुरुआती रुझानों से ही राजद के उम्मीदवार अमर पासवान आगे चल रहे थे। इसके बाद कयास लगाए जाने लगे कि नेता प्रतिपक्ष और छोटे भाई तेजस्वी अपने बड़े तेज प्रताप को बर्थडे पर जीत का तोहफा दे सकते हैं। अंत में बोचहां की जीत के साथ लालू परिवार में दोहरी खुशी आई है।

पीएम मोदी का निजी सचिव बताकर की ठगी की कोशिश

नई दिल्ली ।

खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्राइवेट सेक्रेटरी बताकर एक व्यक्ति द्वारा धोखाधड़ी की कोशिश करने का मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी खुद दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना ने ट्वीट करके दी है। इस संबंध में किसे और कब शिकायत दी गई? या फिर पोर्टल के माध्यम से शिकायत मिली और इस मामले की जांच कौन सी यूनिट कर रही है? फिलहाल इस बारे में कोई जानकारी पुलिस की तरफ से नहीं दी गई है। माना जा रहा है कि मामले की जांच दिल्ली पुलिस की तकनीकी रूप से बेहद सक्षम मानी जाने वाली दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट को सौंपी गई है। बहरहाल इस बारे में कोई अधिकारिक बयान नहीं आया है। कहना है सोशल मीडिया पर खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्राइवेट सेक्रेटरी बताकर एक शख्स ने मेल किया और एक व्यक्ति से धोखाधड़ी की कोशिश की। मेल करने वाले शख्स की जल्द पहचान कर ली जाएगी। पुलिस कमिश्नर ने खुद ट्वीट कर यह जानकारी साझा की है, ताकि इस तरह से प्रधानमंत्री के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले शख्स से जनता को भी आगाह किया जा सके।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

खंभात में रामनवमी के दिन हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद प्रशासन ने बुलडोजर चलवाया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात के आणंद जिले के खंभात कस्बे में रामनवमी के दिन हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद शकरपुरा इलाके से अवैध कब्जा हटाने के लिए प्रशासन ने शुक्रवार छुप रहे थे। पहले दिन बुलडोजर और ट्रैक्टर की मदद से छह-सात अवैध निर्माण गिराए गए जिनमें से कुछ आरोपियों के थे।

कांग्रेस विधायक गयासुद्दीन शेख और इमरान खेडावाला ने इस अभियान को असंवैधानिक और मानवाधिकारों का उल्लंघन नोटिस भेजा जाना चाहिए था फिर निर्माण की वैधता के संबंध में अपने दस्तावेज और साक्ष्य पेश करने का मौका दिया जाना चाहिए था।

उल्लेखनीय है कि शकरपुरा में 10 अप्रैल, रामनवमी के जुलूस पर पथराव के बाद खंभात में दो

को यहां बुलडोजर चलवाया। 10 अप्रैल को रामनवमी के जुलूस पर शकरपुरा इलाके में हमला हुआ था। अवैध कब्जे, लकड़ी और कंक्रीट के अवैध निर्माण सहित सड़कों के किनारे खड़ी झाड़ियों पर भी बुलडोजर चलवाया गया। क्योंकि रामनवमी को जुलूस पर पथराव करने के बाद अराजकतत्व इन्हीं झाड़ियों में बताया। दोनों विधायकों ने राजस्व मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी से फोन पर बात की और इस कार्रवाई को तत्काल रोकने का अनुरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कलेक्टर ने तय प्रक्रिया का पालन किए बगैर ही यह अभियान शुरू किया है। विपक्षी विधायकों ने कहा कि इन संपत्तियों के मालिकों को पहले संप्रदायों के बीच झड़प हो गई थी। आणंद के एसपी अजित राजिआन ने इससे पहले कहा था कि खंभात कस्बे में हुई हिंसा कस्बे में मुसलमानों का प्रभाव स्थापित करने के लिए स्लीपर मॉड्यूल द्वारा की गई साजिश का हिस्सा है। पुलिस ने इस संबंध में अभी तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया है।

श्री हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी क्षेत्रपाल ने दादा के मंदिर में

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत: शनिवार: गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने श्री हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर सूरत के प्रसिद्ध क्षेत्रपाल दादा मंदिर में माथा टेका और राज्य के कल्याण के लिए प्रार्थना की.

इस मौके पर गृह राज्य मंत्री ने गुजरात के सभी नागरिकों को संकटमोचन हनुमान जन्मोत्सव की शुभकामनाएं भेजीं. उन्होंने कहा कि गुजरात पूरे भारत में विकास के मॉडल के तौर पर आगे बढ़ रहा है। राज्य में किसी भी तरह की दुर्घटना को रोकने के लिए राज्य पुलिस हाई अलर्ट पर है। मंत्री ने राज्य सरकार द्वारा एक ऐसा वातावरण बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की जिसमें राज्य के सभी नागरिक अपने धार्मिक त्योहारों को शांतिपूर्वक मना सकें। उन्होंने कहा कि राज्य की शांति और सुरक्षा का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी.

इस अवसर पर क्षेत्रपाल दादा के मंदिर प्रमुख महाराज श्री राकेशभाई महाराज, पुलिस अधिकारी एवं अन्य श्रद्धालु उपस्थित थे।

क्षेत्रपाल ने दादा के मंदिर में की पूजा और आशीर्वाद प्राप्त किया

राज्य के सभी नागरिक शांतिपूर्वक अपने धार्मिक त्योहार मना सकते

राज्य सरकार प्रतिबद्धः गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी

सूरत जिला समन्वय एवं शिकायत समिति की अध्यक्षता जिला कलेक्टर आयुष ओकी ने की बैठक

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत:जिला कलेक्टर श्री आयुष ओक की अध्यक्षता में जिला समाहरणालय के बैठक कक्ष में सूरत जिला समन्वय एवं शिकायत समिति की बैठक हुई.

बैठक में कलेक्टर ने विभाग के अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाये गये मुद्दों को समय पर हल करने के लिए कार्रवाई करने को कहा.

विधायक श्री ईश्वरभाई परमार ने बारडोली तालुका के गांवों में गुजरात गैस कंपनी की पाइपलाइन के तहत ग्राम पंचायतों और एजेंसियों के बीच बहाली शुल्क और वार्षिक किराए के लंबित मुद्दे को हल करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने बारडोली तालुका के नंदीदा और सुवा गांव में सर्विस रोड के निर्माण और मगदल्ला-धुलिया राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 पर पलसाना के मालेकपुर गांव में सर्विस रोड के निर्माण के संबंध में भी अभ्यावेदन दिया। राष्ट्रीय राजमार्ग के एक अधिकारी ने कहा कि काम प्रगति पर है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री भावेशभाई पटेल ने कहा कि बारडोली के आसपास के गांवों में असामाजिक तत्वों द्वारा डीजीवीसीएल के कृषि फीडरों के तार अक्सर चोरी कर लिए जाते हैं, जिससे किसानों को समय पर बिजली नहीं मिलती है.

खंभात हिंसा के मामले में 5 और आरोपी धरे गए, अब तक 16 लोग गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आणंद,जिले के खंभात में रामनवमी के अवसर पर हुई सांप्रदायिक हिंसा के मामले में पुलिस ने अन्य 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने 57 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें अब तक 16 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जबकि 41 लोगों की तलाश जारी है। सक्करपुर घटना के मामले में बीते दिन नया खुलासा हुआ था7 बताया जाता है कि माधवलाल शाह हाईस्कूल के शिक्षक शैलेष राठौड़ के साथ दो मौलवियों ने बैठक की थी और बैठक प्रिंसिपल के कमरे में हुई थी। इस खुलासे के बाद पुलिस ने शिक्षक से पूछताछ शुरू की है और उसे खंभात पुलिस थाने ले जाया गया था। रामनवमी के दिन शक्करपुर दरगाह के निकट पथराव हुआ था और मामले में पुलिस ने 57 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्जकी थी। जिसमें अब तक 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और 41 लोगों की तलाश जारी है। प्रशासन का बुलडोजर घटनास्थल के आसपास के गैरकानूनी अतिक्रमणों को हटा रहा है।

प्रशासन को जानकारी मिली है कि आरोपियों की संपत्ति गैरकानूनी है और अगर यह सही है सभी पर बुलडोजर चलना तय है।

विद्यार्थी नेता युवराजसिंह जाडेजा को कोर्ट से मिली सशर्त जमानत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर, यहां की अदालत ने विद्यार्थी नेता युवराजसिंह जाडेजा की जमानत याचिका मंजूर कर ली है। हांलाकि युवराजसिंह को शर्तिया जमानत मिली है। जिसके मुताबिक जब तक चार्जशीट कोर्ट में दाखिल नहीं कि जाती तब तक युवराजसिंह गांधीनगर में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। साथ ही कोर्ट से मंजूरी के बगैर युवराजसिंह गुजरात छोड़ अन्य राज्य में भी नहीं जा पाएंगे। जमानत की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद आज शाम तक युवराजसिंह जाडेजा को अहमदाबाद के साबरमती जेल से रिहा कर दिया जाएगा। गत 5 अप्रैल को गांधीनगर में विद्या सहायकों की मांग को लेकर युवराजसिंह जाडेजा विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए थे। उस वक्त पुलिस ने युवराजसिंह को हिरासत में लेने का प्रयास किया था। तब युवराजसिंह ने अपनी कार में भागने का प्रयास किया था। कार में सवार युवराजसिंह जब भागने का प्रयास किया तो एक पुलिसकर्मी ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस पर युवराजसिंह ने पुलिसकर्मी पर कार चढ़ाने का प्रयास किया था। यह पूरी घटना युवराजसिंह की कार में लगे कैमरे में ही कैद हो गई। इस घटना के बाद पुलिस ने युवराजसिंह को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या की कोशिश समेत अन्य दफाओं के तहत मामला दर्ज किया था।

इस मामले में कोर्ट ने गांधीनगर में प्रवेश नहीं करने और अदालती मंजूरी के बगैर गुजरात से बाहर नहीं जाने की शर्त पर जमानत दे दी है।